mediaauditornews@gmail.com Epaperdainikmediaauditor.in वर्ष-1 अंक-112 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

मनेन्द्रगढ़
24 अक्टूबर 2025 शुक्रवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

मनेन्द्रगढ़, रीवा एवं सतना से एक साथ प्रकाशित

भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया-
@ पेज 7

आसियान शिखर सम्मेलन को वर्चुअल माध्यम से संबोधित करेंगे प्रधानमंत्री मोदी

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आसियान-भारत शिखर सम्मेलन को वर्चुअल माध्यम से संबोधित करेंगे। 26 से 28 अक्टूबर के बीच आयोजित इस दक्षिणी पूर्वी एशियाई देशों के समूह के शिखर सम्मेलन में इस बार प्रधानमंत्री के स्थान पर विदेश मंत्री भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे।

प्रधानमंत्री मोदी ने गुरुवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इसकी जानकारी साझा की। उन्होंने कहा, मेरे प्रिय मित्र, मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम के साथ गर्मजोशी से बातचीत हुई। उन्हें मलेशिया की आसियान अध्यक्षता के लिए बधाई दी और आगामी शिखर सम्मेलनों की सफलता के लिए शुभकामनाएँ दीं। आसियान-भारत शिखर सम्मेलन में वर्चुअल रूप से शामिल होने और आसियान-भारत व्यापक रणनीतिक साझेदारी को और प्रगाढ़ बनाने के लिए उत्सुक हूँ।

हैदराबाद में गौ रक्षक पर हमला, हालत गंभीर

हैदराबाद, एजेंसी। हैदराबाद के घाटकेसर में बुधवार को गो तस्करों ने एक गौ रक्षक को गोली मार दी। घायल व्यक्ति का नाम प्रशांत उर्फ सोनू है। उसके परिवार ने बताया कि वो 5-6 सालों से गौ रक्षा का काम कर रहा है। तेलंगाना बीजेपी नेताओं ने दावा किया कि सोनू पर हमला गायों के तस्करी को रोकने की कोशिश के दौरान हुआ। बीजेपी नेता माधवी लता ने AIMIM पर हमले का आरोप लगाया है और फौरन कार्रवाई की मांग की है। पुलिस रिपोर्ट के मुताबिक, कुछ लोगों ने सोनू को गाय की तस्करी होने की झूठी खबर देकर बुधवार शाम 5:30 बजे पोचराम के IT कॉरिडोर बुलाया पर वहां पहुंचे ही उस पर फायरिंग कर दी गई। पुलिस ने मामले में कुछ लोगों को गिरफ्तार भी किया है। सोनू के लिवर में गंभीर चोटें आई हैं और उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है।

बीजेपी सांसद ईटाला राजेंद्र ने बताया कि गोली मारने वाले की पहचान इब्राहिम के रूप में हुई है।बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष एन. रामचंदर राव ने कहा कि यह हमला AIMIM के गुंडों ने बीजेपी और RSS कार्यकर्ताओं को डराने के लिए किया। सोनू की मां ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि मेरा बेटा जिंदगी और मौत से लड़ रहा है।

बिहार विधानसभा चुनाव

तेजस्वी यादव महागठबंधन के सीएम फेस मुकेश सहनी समेत 2 डिप्टी सीएम कैंडिडेट

अशोक गहलोत बोले- अब एनडीए बताए उनका नेता कौन

नई दिल्ली/पटना, एजेंसी। बिहार चुनाव के लिए महागठबंधन का सीएम चेहरा RJD प्रमुख तेजस्वी यादव होंगे। कांग्रेस नेता अशोक गहलोत ने महागठबंधन की जॉइंट प्रेस कॉन्फ्रेंस में इसका ऐलान किया। उन्होंने कहा कि अगर हमारी सरकार बनी तो उपमुख्यमंत्री मुकेश सहनी होंगे। उप मुख्यमंत्री और भी लोग बनाए जाएंगे, जो पिछड़े समुदाय से होंगे। गहलोत ने कहा कि हमारा नेता तो तेजस्वी यादव हैं। NDA बताए कि उनका सीएम फेस कौन होगा। सिर्फ नीतीश कुमार के नेतृत्व में चुनाव लड़ेंगे, कहने से नहीं चलेगा। ऐलान के बाद तेजस्वी यादव ने कहा कि मुझ पर फिर से भरोसा जताया है। सभी का दिल से धन्यवाद है। सबसे कहना चाहता हूं कि जो विश्वास जताया है, उस पर खरा उतरेंगे। 20 साल पुरानी निकम्मी सरकार को उखाड़कर फेंकेंगे। महागठबंधन की जॉइंट प्रेस कॉन्फ्रेंस 50 मिनट चली। इसमें आरजेडी, कांग्रेस, VIP समेत 7 दलों के 14 नेता शामिल हुए। इसमें सभी दलों के नेताओं को बोलने मौका दिया गया। सभी ने अपनी स्पीच में महागठबंधन में एकजुटता की बात कही।

जेपी नड्डा बोले- बिहार चुनाव, विकास बनाम विनाश : भाजपा अध्यक्ष जे.पी. नड्डा ने औरंगाबाद की जनसभा में कहा कि बिहार विधानसभा चुनाव में मुकाबला NDA के विकास और महागठबंधन के विनाश के बीच होगा। उन्होंने कहा आरजेडी का मतलब रंगदारी, जंगलराज और दादागिरी है।

महागठबंधन 28 अक्टूबर को घोषणापत्र जारी करेगा

महागठबंधन 28 अक्टूबर को घोषणापत्र जारी करेगा। इसके बाद राहुल गांधी और तेजस्वी यादव बिहार में एक साथ रैली करेंगे। महागठबंधन की प्रेस कॉन्फ्रेंस 50 मिनट चली, 7 दलों के 14 नेता शामिल महागठबंधन की जॉइंट प्रेस कॉन्फ्रेंस 50 मिनट चली। इसमें आरजेडी, कांग्रेस, VIP समेत 7 दलों के 14 नेता शामिल हुए। आरजेडी की ओर से तेजस्वी यादव,अब्दुल बारी सिद्दीकी, मनोज झा और संजय यादव मौजूद थे। वहीं कांग्रेस से अशोक गहलोत,राजेश राम,कृष्णा अल्लावरू, पवन खेड़ा और अभय दुबे थे। सीपीआई (माले) से दीपंकर भट्टाचार्य,वीआईपी पार्टी से मुकेश साहनी, सीपीआई (एम) से ललन चौधरी, सीपीआई से रामनरेश पांडे और ऑल इंडिया पान महासभा नेशनल से आईपी गुप्ता भी मंच पर मौजूद थे।

सड़क से लेकर एयरपोर्ट तक विकास की एक नई इबारत लिख रहा बिहार : जेपी नड्डा

औरंगाबाद, एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने गुरुवार को यहां एक चुनावी जनसभा में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) को विकास का प्रतीक बताया, जबकि विपक्षी दलों के महागठबंधन को विनाश का प्रतीक करार दिया। उन्होंने कहा कि राजग सरकार की विकासपरक नीतियों के कारण आज बिहार प्रगति के रास्ते पर तेज गति से दौड़ रहा है। आज बिहार सड़क से लेकर एयरपोर्ट तक विकास की एक नई इबारत लिख रहा है।

जेपी नड्डा ने औरंगाबाद जिले के गोह में राजग उम्मीदवार के समर्थन में आयोजित चुनावी जनसभा में कहा कि बिहार की जनता राष्ट्रीय जनता दल (राजद) और कांग्रेस के शासनकाल के इतिहास से अच्छी तरह परिचित है। भाजपा-नीत राजग विकास का प्रतीक है और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बिहार के समग्र विकास के लिए हर संभव प्रयास किया है। नड्डा ने राजद के तीन अक्षरों को लेकर दावा किया कि रा का मतलब रंगदारी (जबरन वसूली), ज का मतलब जंगल राज और द का मतलब दादागीरी है।

कर्नाटक में डेटा सेंटर ऑपरेटर ने वोटरों के नाम हटाए

● हर मतदाता पर 80 मिले, 6000 एप्लिकेशन थे; राहुल ने वोट चोरी के आरोप लगाए थे

बेंगलुरु, एजेंसी। कर्नाटक की आलंद विधानसभा सीट पर कांग्रेस के वोट चोरी के आरोपों पर बड़ा खुलासा हुआ है। इंडिया एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक, पुलिस की स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (SIT) ने वोटर्स लिस्ट में अनियमितताओं की जांच के दौरान पाया कि एक डेटा सेंटर ऑपरेटर को प्रत्येक मतदाता के नाम फर्जी तरीके से हटाने के लिए 80 मिले थे। SIT के अनुसार, दिसंबर 2022 और फरवरी 2023 के बीच आलंद सीट पर 6,018 वोटरों के नाम हटाने के आवेदन आए थे। यानी डेटा सेंटर ऑपरेटर को कुल मिलाकर 4.8 लाख का भुगतान किया गया। SIT ने कलबुर्गी जिला मुख्यालय में एक डेटा सेंटर की पहचान भी की है, जहां से वोटरों के नाम हटाने के एप्लिकेशन भेजे गए थे।

जांच में यह भी पता चला कि जो 6,018 एप्लिकेशन आए थे, उनमें केवल 24 ही सही थे। क्योंकि वे आलंद में अब नहीं रहते। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने 18 सितंबर को कहा था कि मुख्य चुनाव आयुक्त वोट चोरी और वोट डिलीट करा रहे हैं। उन्होंने आरोपों के समर्थन में आलंद के उन वोटरों को भी पेश किया, जिनके नाम हटाने की कोशिश की गई थी।

चुनाव आयोग ने कहा– ऑनलाइन वोट डिलीट करना संभव नहीं

चुनाव आयोग ने राहुल गांधी के आरोपों पर 19 सितंबर को लेटर जारी करते हुए कहा था– कोई भी आम नागरिक ऑनलाइन वोट डिलीट नहीं कर सकता। वोटर लिस्ट से नाम हटाने की प्रक्रिया केवल कानूनी नियम और सुनवाई के बाद ही होती है। आयोग के मुताबिक,कर्नाटक के आलंद में 2023 में 6,018 आवेदन आए थे, जिनमें से सिर्फ 24 सही और 5,994 गलत पाए गए। संदिग्ध गतिविधि पर आलंद पुलिस स्टेशन में FIR दर्ज कर जांच कलबुर्गी पुलिस को सौंपी गई।

अमित शाह ने गुजरात के साणंद में छह-लेन सड़क का किया शिलान्यास

अहमदाबाद, एजेंसी। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को साणंद में अहमदाबाद-मालिया रोड स्थित शांतिपुरा चौराहे से खोरज जीआईडीसी तक के सेक्शन के छह-लेन चौड़ीकरण प्रोजेक्ट का शिलान्यास किया। इस अवसर पर राज्य के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल भी मौजूद रहे। यह जानकारी राज्य सूचना विभाग ने अपने बयान में दी। अहमदाबाद जिले के साणंद और उसके आसपास के क्षेत्रों में हुए अभूतपूर्व औद्योगिक विकास के कारण गुजरात राज्य सड़क विकास निगम (जीएसआरडीसी) के अधीन इस सड़क पर यातायात का दबाव काफी बढ़ गया है। वर्तमान में रोजाना औसतन 43,014 वाहनों की आवाजाही के कारण होने वाली ट्रैफिक जाम की समस्या को दूर करने के लिए मौजूदा चार-लेन सड़क को छह-लेन में बदलने की तात्कालिक आवश्यकता थी, जिसके अंतर्गत यह महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। 805 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से आकार लेने वाले इस प्रोजेक्ट के तहत कुल 28.8 किलोमीटर लंबाई की सड़क को छह-लेन का बनाया जाएगा। इस महत्वाकांक्षी योजना के अंतर्गत 22.731 की लंबाई की सड़क के दोनों ओर सर्विस रोड का निर्माण किया जाएगा, 13 छोटे पुलों को चौड़ा किया जाएगा तथा एक छह-लेन एलिवेटेड फ्लाईओवर और एक तीन-लेन राइट-टर्निंग फ्लाईओवर का भी निर्माण किया जाएग।इसके अलावा, उलारिया, तेलाव (दो जगहों पर), साणंद जीआईडीसी गेट और खोरज जीआईडीसी सहित कुल पांच नए अंडरपास बनाए जाएंगे। इसके साथ ही, प्रोजेक्ट रोड के साथ जुड़ने वाली सड़कों पर लगभग 172 कल्वर्ट का निर्माण या नवीनीकरण किया जाएगा। इस प्रोजेक्ट के पूरा होने से साणंद और वीरमगाम जैसे बड़े औद्योगिक केंद्रों के अलावा सुरेन्द्रनगर, शंखेश्वर, राधनपुर और पाटण की ओर जाने वाले लंबी दूरी के ट्रैफिक को भी सुविधा मिलेगी।

पंजाब-चंडीगढ़ में रोडवेज यूनियन ने चक्का जाम टाला,सरकार ने बस टेंडर रोका, 31 अक्टूबर तक हड़ताल स्थगित

जालंधर, एजेंसी। पंजाब और चंडीगढ़ में रोडवेज, पनबस और PRTC कॉन्ट्रैक्ट वर्कर यूनियन का चक्का जाम प्रदर्शन फिलहाल टाल दिया गया है। कर्मचारियों ने डिपो परिसर में हुई मीटिंग के बाद फैसला लिया कि सरकार द्वारा बस टेंडर प्रक्रिया को फिलहाल पोस्टपोन किए जाने के बाद वे भी 31 अक्टूबर तक अपनी हड़ताल को स्थगित कर रहे हैं। यूनियन नेताओं ने कहा कि अगर 31 तारीख तक सरकार ने कोई स्थायी समाधान नहीं निकाला तो गुप्त तरीके से एक्शन शुरू किया जाएगा। उन्होंने चेतावनी दी कि अगली बार बिना पूर्व सूचना के जहां बसें होंगी, वहीं रोक दी जाएंगी और अचानक हाईवे जाम कर दिए जाएंगे। इससे पहले अमृतसर में चक्का जाम के दौरान कर्मचारियों और पुलिस के बीच धक्कामुक्की हुई थी। कर्मचारी हाईवे पर उतरकर नारेबाजी कर रहे थे और कई प्रदर्शनकारियों ने बसों के नीचे लेटकर विरोध जताया था। वहीं जालंधर में आंदोलन शुरू होने से पहले ही पुलिस ने डिपो को घेरकर कर्मचारियों को बाहर जाने से रोक दिया था। इसके विरोध में कर्मचारियों ने अंदर ही धरना शुरू कर दिया था।

तमिलनाडु-केरल में भारी बारिश, स्कूल-कॉलेज में छुट्टी, फसल बर्बाद

हिमाचल में तापमान माइनस 0.7; आंध्र के 6 जिलों में रेड अलर्ट जारी

चेन्नई/अमरावती/तिरुवनंतपुरम/शिमला, एजेंसी। दक्षिण भारत में इस समय पूर्वोत्तर मानसून पूरी तरह सक्रिय है। तमिलनाडु के कई इलाकों में तेज बारिश हो रही है। कई जिलों में बाढ़ जैसे हालात हैं, जबकि कुछ जगहों पर धान की फसल पूरी तरह डूब गई है। चेन्नई में गुरुवार को भी सभी स्कूल बंद कर दिए गए हैं।

मौसम विभाग ने राज्य में साइक्लोन का अलर्ट भी जारी किया है। बारिश की वजह से राज्य का सबसे बड़ा मिट्टी डैम भर चुका है। उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन ने SDRF के साथ बैठक कर रहे हैं। तमिलनाडु में बाढ़ की वजह से 16000 हैक्टेयर खेती की जमीन में पानी भरने से राज्य की 33त्न फसल तबाह हो गई। सरकार ने कहा है की किसानों को मुआवजा दिया जाएगा।

वहीं, केरल में भारी बारिश और तेज हवा के कारण बुधवार को इडुक्की, पलक्कड़, मलप्पुरम और पथनमथिट्टा जिलों में सभी स्कूल-कॉलेजों की छुट्टी कर दी गई। इसके साथ ही इडुक्की के पहाड़ी इलाकों में रात के समय यात्रा पर रोक लगा दी गई है।

आंध्र प्रदेश के तिरुपति में बुधवार को हुई तेज बारिश से सड़कों पर 2-3 फीट पानी भर गया। केरल और तमिलनाडु सराकर ने जिला प्रशासन को बाढ़, भूस्खलन और जलभराव की स्थिति पर 24 घंटे निगरानी रखने के निर्देश दिए गए हैं। राज्य आपदा प्रबंधन बल (SDRF) को भी हाई अलर्ट पर रखा गया है।

हिमाचल प्रदेश के लाहौल-स्पीति और मनाली में पहाड़ों पर बुधवार को बर्फबारी हुई है, जिससे राज्य के कई इलाकों में ठंड बढ़ गई है। लाहौल-स्पीति जिले के टैबो में न्यूनतम तापमान माइनस 0.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो राज्य का सबसे ठंडा स्थान रहा।

मनाली में 12 मिमी, भरमौर में 11.5 मिमी, कीलॉन्ग में 6 मिमी, भुंतर में 3.6 मिमी, सेओबाग में 4 मिमी, पलमपुर में 2 मिमी और कुकुमसेरी में 1.2 मिमी बारिश दर्ज की गई।

यमुनोत्री धाम के कपाट हुए बंद, यमुना डोली का खरशाली के लिए प्रस्थान

उत्तरकाशी, एजेंसी। उत्तराखण्ड के चारधाम के पहले तीर्थधाम यमुनोत्री के कपाट भैयादूज के पावन पर्व पर आज विधिविधान और वैदिक मंत्र उच्चारण के साथ शीतकाल के लिए बंद कर दिए गए। इसके बाद मां यमुना डोली उनके शीतकालीन प्रवास खरशाली गांव के लिए रवाना हो गई।

गुरुवार सुबह परंपरागत तरीके से खरशाली गांव से मां यमुना के भाई शनिदेव महाराज की डोली अपनी बहन को लेने यमुनोत्री धाम पहुंची। तीर्थ पुरोहितों ने वैदिक मंत्र उच्चारण के साथ मां यमुना का श्रृंगार पूजा -अर्चना की और प्रदेश और देश की खुशहाली के लिए प्रार्थना भी की। इसके बाद शुभ लग्न 12 बजकर 30 मिनट पर यमुनोत्री धाम के कपाट बंद कर दिए।

तत्पश्चात मां यमुनाजी की डोली स्थानीय वाद यंत्रों के साथ अपने मायके और शीतकालीन प्रवास खरशाली गांव के लिए रवाना हुई। खरशाली गांव के ग्रामीण अपनी बेटी मां यमुना का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं । अब अगले छह महीने तक मां यमुना के दर्शन उनके शीतकालीन प्रवास खरशाली गांव में ही होंगे।

इस मौके पर यमुनोत्री मंदिर समिति के प्रवक्ता पुरुषोत्तम उनियाल, सचिव सुनील उनियाल, कोषाध्यक्ष प्रदीप उनियाल , सुरेश उनियाल, गिरीश उनियाल,भागीरथी घाटी प्रधिकरण के उपाध्यक्ष राम सुन्दर नौटियाल, क्षेत्रीय विधायक, थानाध्यक्ष बड़कोट दीपक कठैत, राजस्व कर्मचारी और महावीर पंवार आदि मौजूद थे।

सदियों से विशिष्ट परंपरा के वाहक बने हैं खरशाली के वासी : उत्तरकाशी जिले में स्थित यमुनोत्री धाम अनेक धार्मिक परंपराओं और मान्याताओं को स्वयं में समेटे हुए है। सूर्यपुत्री यमुना शनिदेव की बहन है। खरसाली गांव में समेश्वर देवता के रूप में पूजे जाने वाले शनिदेव की डोली हर साल कपाट खुलने और बंद होने पर बहन की डोली के साथ जाते हैं। मान्यता है कि इस दिन स्वयं यमराज और शनिदेव अपनी बहन मां यमुना से मिलने यमुनोत्री धाम पहुंचते हैं। खरसाली के ग्रामीण सदियों से इस विशिष्ट परंपरा के वाहक बने हुए हैं। वहीं इस कारण इस पर्व का विशेष धार्मिक और आध्यात्मिक महत्व है। पुराणों के अनुसार भैया दूज के दिन यमराज और शनिदेव जब अपनी बहन यमुना से मिलने आए थे, तब मां यमुना ने दोनों भाइयों से यह वरदान मांगा कि जो भी श्रद्धालु इस दिन यमुनोत्री धाम में आकर उनके पवित्र जल में स्नान करेगा, जल का पान करेगा या पूजन-अर्चना करेगा, उसे यम यातनाओं से मुक्ति मिलेगी। उसे शनि की साढ़ेसाती के कष्टों से राहत और भगवान श्रीकृष्ण व हनुमान की विशेष कृपा प्राप्त होगी। इसी पौराणिक विश्वास के चलते हर वर्ष भैया दूज पर यमुनोत्री धाम में हजारों की संख्या में तीर्थयात्री पहुंचते हैं।

दिल्ली में मारे गए बिहार के गैंगस्टर्स का ये था प्लान, पुलिस ने किया फेल; हुआ बड़ा खुलासा

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली पुलिस ने बिहार के चार मोस्ट वांटेड गैंगस्टरों को मुठभेड़ में ढेर कर दिया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा और बिहार पुलिस के संयुक्त अभियान में रोहिणी में हुई मुठभेड़ में बिहार के चार मोस्ट वांटेड गैंगस्टर मारे गए हैं। दिल्ली पुलिस ने एक्स में उस जगह के दृश्य जारी किये हैं जहां रात 2.20 बजे चार आरोपियों और दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा और बिहार पुलिस की संयुक्त टीम के बीच गोलीबारी हुई।

इस मुठभेड़ में बिहार के रंजन पाठक (25), बिमलेश महतो (25), मनीष पाठक (33) और अमन ठाकुर (21) मारे गए। रंजन पाठक, बिमलेश महतो और मनीष पाठक सीतामढ़ी, बिहार के रहने वाले थे और अमन ठाकुर करवाल नगर, दिल्ली का रहने वाला था।

दिल्ली में मुठभेड़ में मारे गए बिहार के चार मोस्ट वांटेड गैंगस्टर के मामले पर : ज्वाइंट सीपी क्राइम सुरेंद्र कुमार प्रेस कॉन्फ्रेंस कर जानकारी दी। सुरेंद्र कुमार ने कहा कि डीसीपी संजीव यादव के नेतृत्व में दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच की एक टीम ने बीती रात बिहार के चार वांछित अपराधियों के साथ मुठभेड़ की, जिनकी जानकारी सीतामढ़ी पुलिस से मिली थी।

बिहार पुलिस के साथ टीम बनाकर ऑपरेशन को दिया अंजाम: बिहार पुलिस की एक टीम भी दिल्ली में मौजूद थी। हमें तकनीकी अवरोधन के जरिए लगातार उनकी लोकेशन की जानकारी मिल रही थी, लेकिन वे लगातार पुलिस की पकड़ से बच रहे थे। बीती रात करीब दो बजे रोहिणी के बेगमपुर थाना क्षेत्र में बहादुर शाह जफर मार्ग पर उनकी गतिविधि देखी गई। पुलिस टीम ने उन्हें रुकने के लिए कहा, जिस पर उन्होंने जवाबी कार्रवाई में गोलियां चला दीं। पुलिस ने आत्मरक्षा में जवाबी गोलीबारी की, जिसमें चारों घायल हो गए।

बदमाशों के पास से मिली पिस्तौल और अन्य सामान: इलाज के दौरान, उन्हें सुबह करीब 3.15 बजे अस्पताल में मृत घोषित कर दिया गया। उनके पास से चार सेमी-ऑटोमैटिक पिस्तौल, एक देसी पिस्तौल और एक बलेनो कार बरामद की गई। चारों बदमाश रंजन पाठक गिरोह के थे और हाई-प्रोफाइल हत्या और जबरन वसूली के मामलों में शामिल थे।

तीन महीने में बिहार में कई बड़ी वारदातों को दिया अंजाम: संयुक्त

पुलिस आयुक्त अपराध सुरेंद्र कुमार ने कहा कि चारों आरोपियों के नाम रंजन पाठक, विमलेश मेहता, अमन ठाकुर और मनीष पाठक हैं। पिछले तीन महीनों में, उन्होंने बिहार के सीतामढ़ी इलाके में लगभग पांच खूंखार अपराध किए थे। ये लोग भारी गोलाबारी का इस्तेमाल करके दिनदहाड़े लोगों की हत्या और सुपारी लेकर हत्या करते थे।

दिल्ली पुलिस क्राइम ब्रांच ने बिहार पुलिस के साथ रोहिणी में एक मुठभेड़ के दौरान बिहार के कुख्यात रंजन पाठक गैंग के चार सदस्यों को गोली मार दी। आगामी बिहार विधानसभा चुनावों से पहले गैंग सदस्यों द्वारा किसी बड़ी आपराधिक गतिविधि को अंजाम देने की योजना बनाई थी। दिल्ली पुलिस क्राइम ब्रांच और बिहार पुलिस की संयुक्त टीम ने इलाके में जाल बिछाया। चारों पर बिहार में कई मामले दर्ज हैं। जिसमें हत्याएं और सशस्त्र डकैती शामिल हैं। आगे की जांच जारी है।

डीसीपी क्राइम ब्रांच संजीव यादव ने कहा कि दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा ने बिहार पुलिस के साथ मिलकर रोहिणी में एक मुठभेड़ के दौरान बिहार के कुख्यात रंजन पाठक गिरोह के चार सदस्यों को मार गिराया। मुठभेड़ सुबह करीब 2:20 बजे हुए। इस विशेष खुफिया सूचना के आधार पर गिरोह के सदस्य आगामी बिहार विधानसभा चुनावों से पहले एक बड़ी आपराधिक गतिविधि को अंजाम देने की योजना बना रहे थे।

आगे कहा कि दिल्ली पुलिस अपराध शाखा और बिहार पुलिस की एक संयुक्त टीम ने इलाके में जाल बिछाया। जब पुलिस दल ने संदिग्धों को रोकने की कोशिश की, तो उन्होंने गोलीबारी शुरू कर दी। पुलिस ने जवाबी कार्रवाई की, जिसके बाद संक्षिप्त लेकिन भीषण गोलीबारी हुई। चारों आरोपी गोली लगने से घायल हो गए और उन्हें रोहिणी के एक अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

जानकारी के लिए बता दें कि मारे गए लोगों की पहचान रंजन पाठक, बिमलेश महतो उर्फ बिमलेश साहनी (25), मनीष पाठक (33), अमन ठाकुर (21) के रूप में हुई है। चारों बिहार में कई हत्याओं और सशस्त्र डकैती सहित कई मामलों में वांछित थे। दिल्ली पुलिस और बिहार पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों ने घटनास्थल का दौरा किया। फोरेंसिक और अपराध स्थल जांच टीमों को बुलाया गया। आगे की जांच जारी है।

एससी-एसटी कानून बैंक के बंधक अधिकारों में नहीं डालता बाधा, अदालत ने की यह टिप्पणी

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली हाईकोर्ट ने कहा कि अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (एससी-एसटी) कानून के प्रावधानों का इस्तेमाल किसी बैंक को उसके वैध बंधक अधिकारों का प्रयोग करने से रोकने के लिए नहीं किया जा सकता। कानून के ये प्रावधान, एससी-एसटी समुदाय के लोगों की जमीन पर गलत तरीके से कब्जा या बेदखली रोकने से संबंधित हैं। जस्टिस सचिन दत्ता ने यह टिप्पणी राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग की ओर से एक्सिस बैंक, उसके प्रबंध निदेशक (एमडी) और मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) के खिलाफ शुरू की गई कार्यवाही पर रोक लगाते हुए की। जस्टिस दत्ता ने 16 अक्तूबर को पारित आदेश में कहा, मामले में अत्याचार निवारण अधिनियम की धारा 3(1)(एफ) और (जी) लागू नहीं होती हैं क्योंकि याचिकाकर्ता के बंधक अधिकार के प्रयोग को रोकने के लिए इनका

इस्तेमाल नहीं किया जा सकता।

एक व्यक्ति ने एससी-एसटी कानून का उल्लंघन का आरोप लगाते हुए आयोग के सामने अभ्यावेदन दिया था। आयोग ने बैंक के एमडी और सीईओ को पेश होने का आदेश दिया था। कानून की धारा 3(1)(एफ) एससी/एसटी समुदाय के किसी सदस्य की भूमि पर गलत तरीके से कब्जा करने या खेती करने पर दंड का प्रावधान करती है, जबकि धारा 3(1)(जी) किसी सदस्य को उसकी भूमि या परिसर से गलत तरीके से बेदखल करने की सजा से संबंधित है।

संपत्ति गिरवी रख लिया करोड़ों का कर्ज, चुकाया नहीं: अदालत के समक्ष दायर याचिका के अनुसार, एक्सिस बैंक ने 2013 में महाराष्ट्र के वसई की संपत्ति गिरवी रखकर सनदेव अप्लायंसेज लि. को 16.69 करोड़ रुपये का लोन दिया था। उधार लेने वाले के भुगतान न करने पर, 2017 में खाते को गैर-निष्पादित परिसंपत्ति (एनपीए) घोषित कर दिया गया और बैंक ने गिरवी रखी संपत्ति को अपने अधिकार में लेने के लिए कानूनी अधिकारों का इस्तेमाल किया।

आयोग की कार्यवाही उसके अधिकार क्षेत्र से बाहर: हाईकोर्ट ने यह कहते हुए आदेश पर रोक लगा दी कि आयोग के समक्ष लंबित कार्यवाही उसके अधिकार क्षेत्र से बाहर है। राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग ने समन जारी कर बैंक के एमडी और सीईओ को उसके समक्ष उपस्थित होने को कहा था। हाईकोर्ट ने कहा कि आयोग ने समन जारी करने के पीछे कोई तर्क दर्ज नहीं दिया है।

जामिया में पीएचडी दाखिले की दौड़ शुरू उम्मीदवार आठ नवंबर तक कर सकेंगे आवेदन

नई दिल्ली, एजेंसी। जामिया मिल्लिया इस्लामिया में शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए पीएचडी में दाखिले की दौड़ शुरू हो गई है। इस संबंध में विश्वविद्यालय ने अधिसूचना जारी कर दी है। इच्छुक उम्मीदवार दाखिले के लिए ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। अधिक जानकारी https://admission.jmi.ac.in/ पर उपलब्ध है। आवेदन की आखिरी तारीख आठ नवंबर है। इसके लिए दो हजार रुपये के शुल्क का भुगतान करना होगा। अधिसूचना के अनुसार, आवेदन की अंतिम तारीख के बाद नौ और दस नवंबर को उम्मीदवारों को ऑनलाइन फॉर्म में सुधार का मौका दिया जाएगा। प्रवेश पत्र 11 नवंबर को जारी किए जाएंगे। प्रवेश परीक्षा 15 और 16 नवंबर को आयोजित होगी। इसका परिणाम 27 से 29 नवंबर तक घोषित होगा। उम्मीदवार शोध प्रस्तावों को

संबंधित विभाग में आठ दिसंबर तक भेज सकेंगे।

साक्षात्कार के लिए चयनित उम्मीदवारों की सूची नौ दिसंबर जारी की जाएगी। साक्षात्कार का आयोजन 10 से 19 दिसंबर तक के बीच होगा। दाखिले के लिए अंतिम चयनित उम्मीदवारों की सूची 22 दिसंबर को जारी होगी। उम्मीदवार दाखिले से जुड़ी औपचारिकताओं को 23 से लेकर 30 दिसंबर के बीच पूरा कर सकेंगे। कक्षाओं की शुरुआत 13 जनवरी 2026 से होगी। सवाल पूछना कमजोरी नहीं है सही वक्त पर सही सवाल पूछने से टीम में संवाद, समझ व नवाचार तो बढ़ता ही है, संगठन भी तरक्की करता है। पीएचडी के लिए आवेदन शुल्क 2,000 रुपये निर्धारित किया गया है, जिसे ऑनलाइन माध्यम से जमा किया जा सकता है। पूरी आवेदन प्रक्रिया ऑनलाइन होगी और दस्तावेज स्कैन कर पोर्टल पर अपलोड करने होंगे।

भारतीय मूल के सुनील अमृत ने जीता ब्रिटिश अकादमी पुस्तक पुरस्कार, द बर्निंग अर्थ के लिए मिला अवार्ड

लंदन, एजेंसी। भारतीय मूल के इतिहासकार सुनील अमृत को उनकी किताब द बर्निंग अर्थ- एन एनवायर्नमेंटल हिस्ट्री ऑफ द लास्ट 500 इयर्स के लिए ब्रिटिश अकादमी पुस्तक पुरस्कार का विजेता घोषित किया गया है। इस पुरस्कार के तहत विजेता को 25,000 पाउंड की रकम मिलती है, जो दुनिया की सर्वश्रेष्ठ गैर-काल्पनिक कृतियों को दिया जाता है।

बुधवार शाम को दिया गया सम्मान : अमेरिका के येल विश्वविद्यालय में इतिहास के प्रोफेसर सुनील अमृत का जन्म केन्या में हुआ। वे सिंगापुर में पले-बढ़े और उन्होंने इंग्लैंड के कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय से स्नातक की उपाधि ली। 46 वर्षीय अमृत की किताब को ब्रिटिश अकादमी पुस्तक अवार्ड के निर्णायकों ने जलवायु संकट के मामले में महत्वपूर्ण पठन सामग्री बताया। बुधवार शाम लंदन स्थित ब्रिटिश अकादमी में आयोजित एक समारोह में सुनील अमृत को यह प्रतिष्ठित पुरस्कार प्रदान किया गया। अमेरिका से लाइव वीडियो लिंक के से कार्यक्रम से जुड़े अमृत ने कहा, इसमें कोई शक नहीं है कि यह मानवीय और पर्यावरणीय, दोनों तरह के नुकसान और पीड़ा के बारे में बहुत विस्तार से बताती है। साथ ही ये दर्शाती है कि ये दोनों लगभग हमेशा आपस में जुड़े रहे हैं। लेकिन अंत में, मैं इस पुस्तक से जो पढ़ना चाहूंगा, वह यह है कि इसके कई हिस्से हमें इस मुकाम तक ले आए हैं। इसलिए कई ऐसे रास्ते भी थे जिन्हें अपनाया नहीं गया, ऐसे विचार जिन्हें भुला दिया गया, ऐसे आंदोलन जो भले ही विफल रहे हों, लेकिन उन्होंने एक स्थायी विरासत छोड़ी है, ऐसी प्रौद्योगिकियाँ जो अधिक विनम्र और टिकाऊ थीं।

सुनील अमृत की तारीफ में क्या बोलीं अध्यक्ष : पुरस्कार की घोषणा करने वाले निर्णायक मंडल की अध्यक्ष, ब्रिटेन की इतिहासकार प्रोफेसर रेबेका अर्ल ने की, जिन्होंने सुनील अमृत की किताब द बर्निंग अर्थ को मानव इतिहास और पर्यावरणीय परिवर्तन के बीच के अंतर्संबंधों का एक शानदार विवरण बताया। ब्रिटिश अकादमी, जो ब्रिटेन की मानविकी और सामाजिक विज्ञान की राष्ट्रीय अकादमी है, का कहना है कि अमृत का वैश्विक पर्यावरणीय इतिहास पर अभूतपूर्व काम दशकों के और आंखें खोल देने वाले शोध पर आधारित है, जो यह बताता है कि कैसे उपनिवेशीकरण, औद्योगीकरण और मानव बस्तियों के बदलते स्वरूपों ने न केवल आधुनिक दुनिया को आकार दिया है, बल्कि उस जलवायु संकट को भी बढ़ावा दिया है जिसका हम आज सामना कर रहे हैं।

ये पांच किताबें पुरस्कार से चूकीं : अन्य पांच चयनित किताबों में, जिनमें से प्रत्येक को 1,000 पाउंड का पुरस्कार मिला, उनमें विलियम डेलरिम्पल की द गोल्डन रोड- हाउ एंशिएंट इंडिया ट्रांसफॉर्म्ड द वर्ल्ड; लूसी ऐश की द बैटन एंड द क्रॉस- रशियाज चर्च फ्रॉम पैगन्स टू पुतिन; ट- द ग्लोबल फाइट फॉर विमेन्स हेल्थ शामिल हैं।

पुतिन से बैठक रद्द कर जिनपिंग से मुलाकात करेंगे ट्रंप, द. कोरिया में रूस-यूक्रेन युद्ध पर होगी बैठक

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार (स्थानीय समयानुसार) अपने आगामी कूटनीतिक दौरे का एलान किया, जिसके तहत वे मलेशिया, दक्षिण कोरिया और जापान की यात्रा करेंगे। ट्रंप इस दौरे पर दक्षिण कोरिया में चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ बैठक करने वाले हैं। बुधवार को मीडिया से बात करते हुए ट्रंप ने कहा कि उन्होंने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ प्रस्तावित शिखर वार्ता रद्द कर दी है। उन्होंने कहा, मुझे यह सही नहीं लगा। ट्रंप ने कहा कि वे एक बेकार बैठक नहीं करना चाहते थे।

ट्रंप ने बताया क्यों पुतिन के साथ बैठक रद्द की : डोनाल्ड ट्रंप ने कहा, अगले हफ्ते हम मलेशिया, दक्षिण कोरिया और जापान जा रहे हैं। दक्षिण कोरिया में मेरी मुलाकात चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग से होगी। हमारे बीच एक लंबी बैठक निर्धारित है। हमें उम्मीद है कि हम अपने कई सवालों, संदेहों और महत्वपूर्ण मुद्दों पर मिलकर काम कर पाएंगे।

हमने राष्ट्रपति पुतिन के साथ बैठक रद्द कर दी है। मुझे यह सही नहीं लगा। ऐसा लगा कि हम उस मुकाम तक नहीं पहुंच पाएंगे जहां हमें पहुंचना चाहिए था, इसलिए मैंने इसे रद्द कर दिया।

पुतिन शिखर सम्मेलन रद्द होने के बाद रूस ने यूक्रेन में ट्रंप की प्रस्तावित युद्धविराम योजना को अस्वीकार कर दिया है। डोनाल्ड ट्रंप चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ अपनी आगामी बैठक को लेकर आशावादी हैं और उम्मीद कर रहे हैं कि वे रूस-यूक्रेन युद्ध को समाप्त करने के लिए अपनी बातचीत को आगे बढ़ा पाएंगे। उन्होंने कहा कि वे ऊर्जा और तेल से जुड़े मुद्दों पर भी चर्चा करेंगे, ताकि रूस पर शांति समझौते के लिए दबाव बनाया जा सके। ट्रंप ने व्हाइट हाउस में नाटो महासचिव मार्क रुटे की मेजबानी के दौरान प्रेस से बातचीत में कहा, संभवतः मैं इस मुद्दे पर बात करूंगा। वास्तव में मैं इस बात पर चर्चा करूंगा कि हम रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध को कैसे समाप्त कर सकते हैं चाहे वह ऊर्जा, तेल या किसी और माध्यम से हो। मेरा मानना है कि (शी जिनपिंग) इस पर सकारात्मक रवैया अपनाएंगे। मुझे लगता है कि वे भी इस युद्ध का अंत देखना चाहते हैं।

ईरान के चाबहार बंदरगाह की भंडारण क्षमता पचास फीसदी और बढ़ेगी

तेहरान, एजेंसी। भारत के लिए रणनीतिक महत्व रखने वाले ईरान के चाबहार बंदरगाह की भंडारण क्षमता को पचास फीसदी और बढ़ाया जाएगा ताकि इससे क्षेत्रीय और अंतर्राष्ट्रीय व्यापार को मजबूती मिल सकें। महत्वपूर्ण ईरान के परिवहन एवं शहरी विकास मंत्रालय के उप मंत्री तथा बंदरगाह एवं मैरीटाइम संगठन के प्रबंध निदेशक सईद रसूली ने मंगलवार को इस आशय की औपचारिक घोषणा की। खबरों के मुताबिक शहीद बेहेश्ती बंदरगाह के बुनियादे ढांचे से जुड़ी परियोजनाओं के अवलोकन के दौरान

रसूली ने कहा, चाबहार में चल रही विकास और निर्माण परियोजनाओं में कुल सार्वजनिक और निजी निवेश 240 खरब रियाल यानि करीब अड़तालीस करोड़ डालर से अधिक पहुंच गया है जो आवश्यक वस्तुओं की भंडारण क्षमता में पचास फीसदी बढ़ोत्तरी का मार्ग प्रशस्त कर रहा है। उन्होंने कहा कि एक साल के भीतर नए मैकेनाइज्ड सिलो और कवर वाले वेअरहाउस के चालू होने के बाद बंदरगाह की जरूरी वस्तुओं का भंडारण करने की क्षमता लगभग पचास प्रतिशत बढ़ेगी। यह विकास ईरान की खाद्य सुरक्षा को मजबूत करने और देश की आपूर्ति नेटवर्क का सहयोग करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

रसूली ने चाबहार को एक विशाल निर्माण स्थल करार दिया जहां पोर्ट इंफ्रास्ट्रक्चर लाजिस्टिक्स वेअरहाउसिंग और परिवहन सुविधाओं में बड़े निवेश हो रहे हैं। उन्होंने चाबहार जाहेदान रेलवे नेटवर्क का भी जिक्र किया जो बंदरगाह को ईरान के राष्ट्रीय रेल नेटवर्क से जोड़ेगा और अंतर्राष्ट्रीय नार्थ साउथ ट्रांसपोर्ट कारिडोर (आईएनएसटीसी) में इसकी स्थिति मजबूत करेगा। ये परियोजनाएं ईरान सरकार, भारतीय कंपनियों और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग से चलेंगी।

दिल्ली में दिवाली पर हुई आतिशबाजी के धुएं से बढ़ी घुटन, ग्रीन पटाखों का दावा काचगजी ; पराली को क्लीन चिट

नई दिल्ली, एजेंसी। इस बार वजह पराली नहीं बल्कि दिल्ली एनसीआर में फूटे पटाखे सांसों की घुटन के लिए जिम्मेदार रहे। पर्यावरणीय संस्था क्लाइमेट ट्रेंड्स के विश्लेषण के अनुसार, पंजाब-हरियाणा में पराली जलाने की घटनाओं में 77त्न कमी के बावजूद दिवाली की रात दिल्ली का पीएम 2.5 स्तर 675 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर तक पहुंच गया। यह सामान्य से 212 प्रतिशत अधिक है। दिलचस्प यह कि कथित ग्रीन पटाखे भी हवा को बचाने में नाकाम रहे। पर्यावरण व जलवायु अनुसंधान संस्था क्लाइमेट ट्रेंड्स की ओर से

किए गए विश्लेषण से खुलासा हुआ है कि वर्ष 2025 की दिवाली दिल्ली-एनसीआर के लिए हाल के वर्षों की सबसे प्रदूषित रातों में से एक रही। रिपोर्ट में कहा गया है, 20 अक्टूबर की रात पीएम 2.5 का स्तर 675 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर तक जा पहुंचा, जबकि दिवाली से पहले यह केवल 156.6 माइक्रोग्राम था। औसतन, दिवाली के बाद का पीएम 2.5 स्तर 488 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर दर्ज हुआ जो सामान्य से तीन गुना अधिक था।

प्रमुख शोधकर्ता पलक बल्यान के अनुसार, डेटा बताता है कि इस वर्ष प्रदूषण में तेज वृद्धि पटाखों के धुएं के कारण हुई है। पराली की घटनाएं घटीं, लेकिन दिल्ली में पटाखों का धुआं बेकाबू रहा। दिल्ली सरकार और एनजीटी के सख्त प्रतिबंधों के बावजूद बाजार में कथित ग्रीन पटाखे बड़े पैमाने पर बेचे और जलाए गए, लेकिन क्लाइमेट ट्रेंड्स के अनुसार, इन पटाखों से भी सामान्य पटाखों जितना ही प्रदूषण हुआ। दरअसल, ग्रीन कहे जाने वाले पटाखों में भी धातु और ऑक्सीडाइजर जैसे तत्व मौजूद होते हैं, जो जलने पर नाइट्रोजन ऑक्साइड, सल्फर डाइऑक्साइड और भारी धातु जैसे (लेड, बेरियम) का उत्सर्जन करते हैं।

मौसम और हवा की दिशा ने बढ़ाई समस्या = रिपोर्ट में बताया गया कि दिवाली की रात हवा की गति 1 मीटर प्रति सेकंड से भी कम थी। धीमी हवा ने प्रदूषकों को फैलने नहीं दिया, जिससे वे जमीन के पास फंस गए। इस दौरान तापमान में गिरावट (27 से घटकर 19 डिग्री सेल्सियस) और नमी 60 से 90 प्रतिशत तक रही, जिससे इन्वर्जन की स्थिति बनी यानी ठंडी हवा नीचे और गर्म परत ऊपर।

पराली को क्लीनचिट: रिपोर्ट के मुताबिक, पंजाब और हरियाणा में इस बार पराली जलाने की घटनाओं में 77त्न कमी आई है। क्लाइमेट ट्रेंड्स के अनुसार यह गिरावट बाढ़ और फसल चक्र में देरी के कारण हुई। 1 से 12 अक्टूबर के बीच पराली की घटनाएं सबसे अधिक होती हैं, पर इस साल उस अवधि में भी दिल्ली के पीएम 2.5 स्तर में 15.5त्न की कमी दर्ज की गई।

ग्रीन पटाखे कम प्रदूषण करते हैं: वैज्ञानिकों का मानना है कि ग्रीन पटाखे सिर्फ कागजी दावा हैं क्योंकि इनमें प्रदूषण घटाने की तकनीक सीमित है। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) मद्रास के एक अध्ययन के अनुसार, ग्रीन पटाखे पारंपरिक पटाखों की तुलना में औसतन 15 से 20 प्रतिशत कम प्रदूषण तो करते हैं, लेकिन जब लाखों पटाखे एक साथ फूटते हैं तो यह फर्क व्यावहारिक रूप से नगण्य रह जाता है।

ऐसे समझें पांच वर्षों का ट्रेंड = 2021 से 2025 तक के पांच साल के डेटा से पता चलता है कि दिवाली की रात हर वर्ष प्रदूषण दोगुना या तिगुना बढ़ता है। हालांकि कुछ वर्षों में उच्चतम स्तर में हल्की कमी आई, लेकिन त्योहार के अगले दिन तक हवा में जहर घुला रहता है। यह ट्रेंड बताता है कि नीति निर्माण और नियमों के बावजूद सामाजिक अनुशासन की कमी से समस्या जस की तस है।

पटाखों पर संपूर्ण प्रतिबंध नहीं, विकल्पों का विस्तार: विशेषज्ञ सुझाव देते हैं, साइलेंट पटाखे या लेजर लाइट शो जैसे विकल्पों को प्रोत्साहित किया जाए, जो उत्सव का रोमांच बनाए रखते हैं पर प्रदूषण नहीं फैलाते। एनसीआर में लगभग 80 लाख वाहन और 40 लाख से अधिक परिवार दिवाली पर पटाखे जलाते हैं। यदि सिर्फ 20त्न लोग भी स्वेच्छा से पटाखों से परहेज करें तो पीएम2.5 स्तर में लगभग 30त्न तक कमी लाई जा सकती है।

क्लाइमेट ट्रेंड्स का सुझाव है कि हवा की गति और तापमान के आधार पर रियल-टाइम फायरवर्क अलर्ट सिस्टम विकसित किया जाए, ताकि जिन रातों में हवा स्थिर हो, उन दिनों पटाखों पर सख्त रोक लगाई जा सके। दिल्ली की हवा जहरीली हुई, लेकिन जिम्मेदारी शहर के भीतर ही रही। दिवाली का अर्थ प्रकाश है, प्रदूषण नहीं और जब तक पटाखों की जगह चेतना का दीप नहीं रोशन होगा तब तक हर दिवाली के बाद की सुबह और आने वाले दो से तीन दिन धुएं में डूबे रहेंगे।

दिल्ली में 11 हजार बसों की जरूरत लेकिन... वेटिंग टाइम के सवाल पर क्या बोले परिवहन मंत्री

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के परिवहन मंत्री पंकज कुमार सिंह ने कहा है कि डीटीसी में बसों की कोई कमी नहीं है और सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था बेहतर तरीके से चल रही है। यह बयान एनबीटी में बसों की कमी से जुड़ी खबर छपने के बाद आया है। एनबीटी ने सड़कों पर बसों की कमी और यात्रियों को हो रही परेशानी को प्रमुखता से दिखाया था।

मंत्री ने बताया कि परिवहन विभाग के पास फिलहाल करीब 4,000 बसें है, जबकि दिल्ली को 11,000 बसों की जरूरत है। उन्होंने कहा कि बसों के वेटिंग टाइम को कम करने के लिए काम चल रहा है। किसी भी रूट पर बस सेवा बंद नहीं की गई है। इसके अलावा टूटे बस क्यू शेल्टर्स को ठीक करने के लिए विभाग को निर्देश भी जारी किए गए हैं।

बसों की संख्या बढ़ाने पर हो रहा काम: पंकज सिंह ने माना कि यात्रियों के वेटिंग टाइम को कम करने के लिए बसों की संख्या बढ़ाने पर काम चल रहा है। आईआईटी दिल्ली द्वारा किए गए डिटेल एनालिसिस के आधार पर बस रूट रेशनलाइजेशन भी किया जा रहा है ताकि वेटिंग टाइम में कमी आ सके। उनका कहना है कि अगले साल तक बसों की संख्या 7,000 तक पहुंच जाएगी।

मंत्री ने बताया कि दिल्ली-एनसीआर में कुल 50स् रूट्स पर बसें चल रही हैं। इनमें 426 सिटी रूट्स, 12 एनसीआर रूट्स और 70 देवी बस रूट्स शामिल हैं। इन रूट्स पर कुल 4,000 से अधिक बसें चलाई जा रही हैं।

राजधानी की सड़कों पर बसों की कमी अचानक नहीं हुई है। सरकार और डीटीसी मैनेजमेंट को पहले से पता था कि बसों की उम्र खत्म हो रही है, लेकिन नई बसों की खरीद में देरी और उसके बाद डिलिवरी न मिलने से यह समस्या और बढ़ गई है। दिल्ली में जहां यात्रियों की संख्या के लिहाज से करीब 11 हजार बसों की जरूरत है, वहीं फिलहाल आधी बसें ही सड़कों पर बची है। आइए जानते हैं बसों की कमी की प्रमुख वजहें...

बसों की खरीद में हुई देरी: दिल्ली में डीटीसी के तहत आखिरी बार बसों की बड़ी खेप 2009 से 2011 के बीच कॉमनवेल्थ गेम्स के समय आई थी। उस दौरान ही साफ था कि बसों की अधिकतम उम्र 10 साल तय है। इसके बावजूद नई बसों की खरीद को गंभीरता से नहीं लिया गया।

मुख्यमंत्री ने लाड़ली बहनों को भाईदूज का शगुन दिया

जिले की 2 लाख से अधिक महिलाओं के खातों में 5 करोड़ 26 लाख रुपये से अधिक की राशि अंतरित

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मुख्यमंत्री आवास में आयोजित राज्यस्तरीय कार्यक्रम में मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना के तहत प्रदेश की 1.26 करोड़ बहनों को 1859 करोड़ रुपये की भाईदूज के शगुन की राशि सिंगल क्लिक के माध्यम से उनके बैंक खातों में अंतरित की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बहनों से आत्मीय संवाद करते हुए उन्हें भाईदूज की शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने प्रदेश की बहनों के साथ संवाद के दौरान राज्य सरकार की योजनाओं, उपलब्धियों और भावी प्राथमिकताओं की जानकारी भी साझा की।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि यह मेरा सौभाग्य है कि मुझे लाड़ली बहनों के रूप में 1 करोड़ 26 लाख से अधिक बहनें मिली हैं। हम बहनों के जीवन में नई रोशनी और नई खुशी जोड़ रहे हैं। प्रदेश की सभी लाड़ली बहनों को अब हर माह 1500 रुपये मिलेंगे। बहनों के लिए सरकार के खजाने में कोई कमी नहीं है। बहनों के शब्द और उद्गार सुनकर मैं अभिभूत हूँ। हमारी बहनें लक्ष्मी, सरस्वती और पार्वती का समग्र रूप हैं। मध्यप्रदेश देश का पहला ऐसा प्रदेश है, जहाँ लाड़ली बहना योजना से हमारी बहनें हर महीने राखी और भाईदूज मनाती हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि लाड़ली बहना योजना प्रदेश की बहनों की समृद्धि का सीधा मार्ग है। किसी भी जरूरत के वक्त यह योजना बहनों के लिए सबसे बड़ा संबल और सहयोग सिद्ध हुई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि प्रदेश की लाड़ली बहनों को अब तक 29 किश्तों में लगभग 45 हजार करोड़ रुपये की सहायता राशि दी जा चुकी है। उन्होंने कहा कि बहनों की मुस्कान ही मध्यप्रदेश और हमारी सरकार की सबसे बड़ी पूँजी है।

मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना के अंतर्गत सीधी जिले की 2 लाख 10 हजार 706 पात्र महिलाओं के खातों में भाईदूज शगुन के रूप में प्रति महिला 250 रुपये की राशि प्रदान की गई। इस प्रकार जिले की महिलाओं के खातों में कुल 5 करोड़ 26 लाख 76 हजार 500 रुपये की राशि अंतरित की गई।

कलेक्टर कार्यालय के एनआईसी कक्ष से कार्यक्रम का सीधा प्रसारण किया गया, जहाँ जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग प्रवेश मिश्रा सहित संबंधित विभागों के अधिकारी-कर्मचारी तथा हितग्राही महिलाएँ उपस्थित रहीं।

जिला कार्यक्रम अधिकारी प्रवेश मिश्रा ने बताया कि जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में जनपद पंचायत कुसमी की 17 हजार 488, मझौली की 29 हजार 352, रामपुर नैकिन की 44 हजार 275, सीधी की 54 हजार 920 तथा सिहावल की 51 हजार 763 महिलाओं के खातों में राशि अंतरित की गई।

इसके साथ ही नगरीय क्षेत्रों की महिलाओं को भी योजना का लाभ प्राप्त हुआ है। नगर पालिका सीधी की 6 हजार 203, नगर परिषद चुरहट की 2 हजार 433, नगर परिषद मझौली की 2 हजार 106 और नगर परिषद रामपुर नैकिन की 2 हजार 156 महिलाओं के खातों में भी भाईदूज शगुन के 250 रुपये प्रत्येक महिला के मान से राशि अंतरित की गई।

अतरैला में दिव्यांग चिन्हांकन शिविर सफलता पूर्वक संपन्न

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिले के जनपद पंचायत जवा अंतर्गत ग्राम पंचायत अतरैला के पंचायत भवन में जिला कलेक्टर रीवा के निर्देशन में 23 अक्टूबर को दिव्यांग चिन्हांकन शिविर का सफल आयोजन किया गया।

इस शिविर का संचालन मुख्य कार्यपालन अधिकारी जवा, सुलभ सिंह पूषाम के द्वारा किया गया। दिव्यांग चिन्हांकन शिविर में ग्राम पंचायत अतरैला के सरपंच रामभुवन पांडे, सचिव घनश्याम यादव, और सहायक सचिव ध्रुव शर्मा ने कुशलता पूर्वक शिविर का क्रियान्वयन सुनिश्चित किया।

शिविर में नोडल अधिकारी शारदा चरण अहिरवार और नंदलाल वर्मा के निर्देशन में कुल 32 दिव्यांगजनों का चिन्हांकन किया गया। पंजीकरण का कार्य सचिव वीरेंद्र मिश्रा और चौखंडी सचिव सुरजीत सिंह द्वारा किया गया।

इससे पूर्व, 22 अक्टूबर को जनपद पंचायत जवा सभागार में भी इसी प्रकार का शिविर आयोजित किया गया था, जिसमें कुल 12 दिव्यांगजनों का चिन्हांकन किया गया। उक्त शिविर में नोडल अधिकारी अमित पांडेय (सामाजिक सुरक्षा अधिकारी) तथा सहायक नोडल अधिकारी केशव प्रसाद वर्मा, गुलजार प्रजापति, और श्यामशंकर सिंह ने शिविर का सफल संचालन किया था।

दोनों शिविरों के सफल आयोजन में नितिन मिश्रा, ऋषभ तिवारी, इन्द्रशरण तिवारी, भाईलाल, राजनारायण, और अनिल का सराहनीय योगदान रहा। इन शिविरों के माध्यम से दिव्यांगजनों की पहचान कर उन्हें शासन की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं से जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल की गई है। अतरैला में आयोजित दिव्यांग चिन्हांकन शिविर ने न केवल दिव्यांगजनों की पहचान की, बल्कि उन्हें समाज की मुख्यधारा में लाने का भी प्रयास किया है।

सरहंग से रास्ता अतिक्रमण मुक्त कराने जवा तहसीलदार को कोनीकला ग्राम पंचायत के ग्रामीणों ने सौंपा ज्ञापन

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले के जनपद पंचायत जवा अंतर्गत ग्राम पंचायत कोनी में बीते कई वर्षों से सरहंग प्रवीण मिश्रा द्वारा तेदुहा नाला पहुंच मार्ग पर बनी पीसीसी सड़क का अतिक्रमण किया गया था। इसे जिला कलेक्टर रीवा के आदेश पर जवा तहसीलदार के द्वारा 16 अगस्त को अतिक्रमण मुक्त कराया गया था।

लेकिन जैसे ही बरसात समाप्त होने के बाद 17 अक्टूबर को ग्राम पंचायत कोनीकला के सरपंच केदार साहू ने जेसीबी मशीन लेकर सड़क का कचरा साफ करने और निर्माण कार्य कराने का प्रयास किया, तो सरहंग प्रवीण मिश्रा के घर की महिलाएं और बेटियां मौके पर पहुंचकर झगड़ा शुरू कर देती हैं और जेसीबी मशीन के सामने लेट जाती हैं।

मामले को शांत करने गए जनपद सदस्य प्रतिनिधि और भाजपा नेता शिवशंकर तिवारी के साथ भी महिलाओं ने मारपीट की, जिससे काम बंद कर दिया गया। इस घटना से नाराज ग्रामीणों ने चक्काजाम किया और प्रशासन को चेतावनी दी कि यदि दीपावली तक समस्या का समाधान नहीं किया गया, तो वे आमरण अनशन करेंगे।

सिंगरौली में बिजली तार चोरी के 7 आरोपी गिरफ्तार, 40 हजार का 600 मीटर तार बरामद; 4 बाल अपचारी शामिल

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। जिले के झिंगुरदा में बिजली के तार चोरी के मामले में पुलिस ने सात आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनमें चार बाल अपचारी भी शामिल हैं। पुलिस ने आरोपियों के पास से करीब 40 हजार रुपये कीमत का 600 मीटर चोरी का बिजली का तार बरामद किया है। यह घटना दीपावली की रात झिंगुरदा स्थित शिमला कॉलोनी में हुई थी। अज्ञात चोरों ने बिजली के खंभों पर लगे चालू तारों को चुरा लिया था, जिससे पूरे क्षेत्र में अंधेरा छा गया था।

मंगलवार को झिंगुरदा सिक्योरिटी अधिकारी अमरेश सिंह ने मोरवा थाने में चोरी की शिकायत दर्ज कराई। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर मोरवा थाना प्रभारी यू.पी. सिंह ने तत्काल अज्ञात चोरों के खिलाफ अपराध क्रमांक 620/25, धारा 303 (2) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस ने 48 घंटे के भीतर मोरवा के चटका से चोरों को पकड़ लिया। उनकी निशानदेही पर चोरी किया गया 600 मीटर बिजली का तार बरामद किया गया, जिसकी अनुमानित कीमत 40 हजार रुपये है।

गिरफ्तार किए गए सात आरोपियों में अभिमन्यु बैस, विकास बैस और अजय बैस (सभी चटका बस्ती निवासी) शामिल हैं। इनके अलावा चार बाल अपचारी भी पकड़े गए हैं। सभी आरोपियों के खिलाफ चालानी कार्यवाही की जा रही है। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी की टीम में उपनिरीक्षक एन.पी. तिवारी, सउनि डी.एन. सिंह, प्रधान आरक्षक अर्जुन सिंह, आरक्षक सुरेश परस्ते, मनीष यादव और सर्वेस यादव शामिल थे।

पीएम श्री स्कूल जवाहर नवोदय विद्यालय प्रवेश आवेदन में सुधार की अंतिम तिथि 26 तक

सीधी। पीएम श्री स्कूल जवाहर नवोदय विद्यालय चुरहट के प्राचार्य डॉ. डी.के. त्रिपाठी ने बताया कि सत्र 2026-2027 के लिए कक्षा 9वीं एवं 11वीं में प्रवेश हेतु ऑनलाइन आवेदन करने वाले विद्यार्थियों के लिए करेक्शन विंडो 24 से 26 अक्टूबर तक खुली रहेगी। इस अवधि में जिन छात्रों ने पूर्व में आवेदन किया है, वे अपने आवेदन पत्र में आवश्यक सुधार या संशोधन कर सकते हैं। कक्षा 9वीं के लिए छात्र तथा कक्षा 11वीं के लिए लिंक के माध्यम से लॉगिन कर सुधार कर सकते हैं। प्राचार्य डॉ. त्रिपाठी ने सभी अभ्यर्थियों से अपील की है कि वे अपने आवेदन की जानकारी ध्यानपूर्वक जांचें और यदि कोई त्रुटि हो तो 26 अक्टूबर तक अनिवार्य रूप से सुधार कर लें।

उपभोक्ताओं को खाद्यान न देने एवं फूड इंस्पेक्टर को हटाने संतेश्वर शुक्ला का आमरण अनशन शुरू

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जवा जनपद पंचायत अंतर्गत सुखमंती स्व. सहायता समूह गढ़ेहरा के भ्रष्टाचार की जांच एवं फूड इंस्पेक्टर विनीत मिश्रा के खिलाफ लूट की शिकायत को लेकर संतेश्वर शुक्ला, पूर्व विधानसभा प्रत्याशी विधानसभा क्षेत्र सिरमौर, ने कई बार शासन-प्रशासन को कार्रवाई हेतु आवेदन दिए थे, लेकिन जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की गई।

इससे परेशान होकर संतेश्वर शुक्ला ने जिला कलेक्टर, कमिश्नर, जनपद पंचायत सहित संबंधित विभागों को आवेदन देकर सचेत किया था कि यदि जल्द ही उनकी मांगें पूरी नहीं की जाएंगी, तो 22 अक्टूबर से आमरण अनशन करेंगे। लेकिन प्रशासन ने उनकी मांगों को नजरअंदाज किया, जिसके बाद उन्होंने निर्धारित 22 अक्टूबर से वनपरिक्षेत्र कार्यालय अतरैला के सामने आमरण अनशन शुरू कर दिया।

उनकी मांगों में खाद्य कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी जनपद पंचायत जवा, विनीत मिश्रा को हटाने की मांग शामिल है। आरोप है कि विनीत मिश्रा द्वारा सभी उचित मूल्य की दुकानों में भ्रष्टाचार कर कमीशन लिया जाता है। सुखमंती स्व. सहायता समूह गढ़ेहरा को शासकीय उचित मूल्य की दुकान देवखर का खाद्यान नहीं मिला, और विनीत मिश्रा के मिलीभगत से खाद्यान की कालाबाजारी की गई है। इसके अलावा, विनीत मिश्रा ने आंगनबाड़ी केन्द्र क्र. 2 देवखर का खाद्यान माह जून, अगस्त एवं एम.डी.एम. का चावल नहीं दिया। केवल 11 किलो चावल माह अगस्त का मिला है, जबकि 53 क्विंटल गेहूं कोनी क्र. 2 की दुकान में रखा गया है।

इसकी जानकारी टेलीफोन से फूड इंस्पेक्टर को दी गई, तो उन्होंने धमकी दी कि ज्यादा नेतागिरी करोगे तो समूह तोड़वा दूंगा। इसके अलावा, समूह की महिला सदस्यों को भी धमकी दी गई है, जिसकी जांच कराई जाए। संतेश्वर शुक्ला ने ग्राम पंचायत कोनीकला में कराए गए निर्माण कार्यों की लागत राशि, वर्क ऑर्डर कार्य का नाम, आहरित राशि और चाँद कुरैली में कराए गए कार्यों की जांच कराने की भी मांग की है।

उन्होंने कहा कि ग्राम पंचायत अतरैला, गढ़ेहरा, खम्हरिया 17, चौखण्डी, कसियारी में पिछले पांच वर्षों से कोई कार्य संतोषजनक नहीं कराया गया है, जिसकी भी जांच कराई जाए। अंत में, उन्होंने मांग की कि ग्राम पंचायत देवखर से शासकीय उचित मूल्य की दुकान तत्काल संचालित कराई जाए।

कुसमी में दुआरी मोड़ पर बाइक पेड़ से टकराई, चालक की हालत गंभीर; सिर और सीने में आई चोटें

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले के कुसमी थाना क्षेत्र में गुरुवार दोपहर एक सड़क हादसे में कोडार निवासी 35 वर्षीय युवक मुकेश कुमार सिंह गंभीर रूप से घायल हो गया। दुआरी मोड़ पर उसकी बाइक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे एक पेड़ से जा टकराई।

टक्कर इतनी जोरदार थी कि मुकेश के सिर और सीने पर गंभीर चोटें आईं। हादसे की सूचना मिलते ही कुसमी पुलिस मौके पर पहुंची। तत्काल 108 एंबुलेंस बुलाई गई, जिसने घायल मुकेश को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कुसमी पहुंचाया। वहां प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने उसकी गंभीर हालत को देखते हुए उसे जिला अस्पताल सीधी रेफर कर दिया।

डॉक्टर रत्नेश सिंह ने बताया कि युवक के सिर और सीने में गहरी चोटें आई हैं। वर्तमान में उसका इलाज जिला अस्पताल में डॉक्टरों की निगरानी में चल रहा है। स्थानीय लोगों के अनुसार, यह हादसा सड़क के मोड़ पर वाहन की तेज रफ्तार और अचानक सामने आए गड्ढे से बचने के प्रयास के दौरान हुआ। हादसे के बाद आसपास के ग्रामीण तुरंत मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी।

बोलेरो की टक्कर से बाइक सवार युवक का पैर फ्रैक्चर, कांग्रेस जिलाध्यक्ष ज्ञान सिंह ने पहुंचाया अस्पताल

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले के तेंदुआ गांव में गुरुवार दोपहर सड़क हादसे में कुबरी निवासी एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। वह अपनी बाइक से जा रहा था, तभी सामने से आ रही एक तेज रफ्तार बोलेरो वाहन ने उसे जोरदार टक्कर मार दी।

हादसे में उसके पैर में फ्रैक्चर आने की जानकारी मिली है। हादसे के बाद बोलेरो चालक वाहन को छोड़कर फरार हो गया। स्थानीय ग्रामीणों ने तत्काल घायल युवक को सड़क किनारे से हटाया और सहायता के लिए लोगों को बुलाया। इसी दौरान कांग्रेस जिलाध्यक्ष ज्ञान सिंह वहां से गुजर रहे थे। उन्होंने घायल युवक को सड़क पर पड़ा देखा और बिना देर किए एक गुजरती कार की मदद से उसे जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां उसका इलाज चल रहा है।

घटना की जानकारी मिलते ही परिजन भी अस्पताल पहुंच गए। डॉक्टरों के अनुसार, युवक की स्थिति स्थिर है, लेकिन उसके पैर में गंभीर चोटें आई हैं। अस्पताल चौकी प्रभारी आर.पी. माझी ने बताया कि केस दर्ज कर लिया गया है। आगे की कार्रवाई के लिए संबंधित थाने को सूचना दी गई है। बोलेरो वाहन चालक का पता लगाया जा रहा है।

समाधान ऑनलाइन में मुख्यमंत्री ने सुनीं आमजन की समस्याएं

शिकायतों के तत्पर समाधान और सुशासन को लेकर अधिकारियों को दिए सख्त निर्देश

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने आज समाधान ऑनलाइन कार्यक्रम में भोपाल से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से विभिन्न जिलों के आवेदकों की समस्याएं सुनीं। इस दौरान मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों का निराकरण तत्परता और पारदर्शिता से किया जाए, ताकि आमजन को समय पर राहत मिल सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि विभागीय अधिकारी शासन की योजनाओं का लाभ निर्धारित समय-सीमा में पात्र व्यक्तियों तक पहुँचाना सुनिश्चित करें, जिससे शिकायतों की संख्या में कमी आए। उन्होंने आगामी एक माह के भीतर तकनीकी व्यवस्थाओं को सुधारने का अभियान चलाने के निर्देश भी दिए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जिलों में किए जा रहे नवाचारों को प्रदर्शित करने और प्रत्येक मंगलवार को आयोजित होने वाली जनसुनवाई को व्यवस्थित ढंग से संचालित करने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने कहा कि पुलिस अधीक्षक नियमित रूप से थानों की जांच करें, जिससे जनता का विश्वास बढ़े और पुलिस व्यवस्था अधिक प्रभावी बने।

उन्होंने अधिकारियों से कहा कि जिलों में जनसुनवाई के दौरान प्राप्त आवेदनों का शीघ्र निराकरण करें। साथ ही खाद, बीज के भंडारण व वितरण पर कड़ी निगरानी रखी जाए तथा धान, कोदो और सोयाबीन उपार्जन के लिए पंजीकृत किसानों के रकबे का सत्यापन कराया जाए। मुख्यमंत्री ने भावांतर योजना के व्यापक प्रचार-प्रसार पर भी जोर दिया।

डॉ. यादव ने निर्देश दिए कि 1 नवम्बर को मध्यप्रदेश स्थापना दिवस पर रोजगार और स्वरोजगार की थीम पर विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जाएं। साथ ही आदिवासी समाज के गौरव भगवान बिरसा मुंडा जयंती (15 नवम्बर) को भव्य रूप से मनाने के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि वे स्वयं भी इस अवसर पर आदिवासी क्षेत्रों में उपस्थित रहेंगे।

मुख्यमंत्री ने वर्षा उपरांत सड़कों की मरम्मत और नगरीय निकायों में कायाकल्प अभियान के अंतर्गत सड़कों के निर्माण व सुधार के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सुशासन के लिए प्रत्येक स्तर पर निरंतर प्रयास किए जाएं, ताकि आमजन को शासन की योजनाओं और कार्यक्रमों का सीधा लाभ मिल सके।

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में सीधी जिले से कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी, वनमंडलाधिकारी प्रीति अहिरवार, अपर कलेक्टर बी.पी. पाण्डेय, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अरविंद श्रीवास्तव, एसडीएम प्रिया पाठक, आर.पी. त्रिपाठी, शैलेश द्विवेदी, डीएसपी अमन मिश्रा सहित विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

कार्यालय नगर पालिक निगम, रीवा (म.प्र.)

क्रमांक 4660/न.पा.नि./राजस्व/2025-26 रीवा, दिनांक 23/10/2025

अचल सम्पत्ति नामांतरण विज्ञप्ति

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि पूर्व नगर सुधार न्यास रीवा की योजना क्रमांक-8 इन्दिरा नगर जो नगर पालिक निगम रीवा के स्वामित्व में है, में स्थित भूखण्ड क्रमांक 1/25/449 क्षेत्रफल 800.00 वर्गफिट श्रीमती श्यामा बाई सिहं पति श्री शिवबहादुर सिहं निवासी मकान नं0 31 वार्ड क्रमांक 41 दुर्गा मंदिर के पास राय कालोनी कटनी (म0प्र0) को 30 वर्षीय लीज पर आवंटित है, जिसका नामान्तरण श्री संजीव कुमार वर्मा पिता श्री रामनिवास वर्मा निवासी इन्द्रिरा नगर रीवा मध्यप्रदेश के नाम किये जाने हेतु दिनांक 14.10.2025 को आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। उक्त भूखण्ड क्रमांक 1/25/449 क्षेत्रफल 800.00 वर्गफिट, के नामान्तरण में किसी व्यक्ति / संस्था को कोई आपत्ति हो, तो समाचार पत्रों में इस विज्ञप्ति के प्रकाशन के 15 दिवस की अवधि तक कार्यालय नगर पालिक निगम रीवा में प्रमाणित अभिलेखों के साथ उपस्थित होकर लिखित में अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित समयावधि के पश्चात् कोई आवेदन/आपत्ति न तो ग्रहण की जावेगी और न ही मान्य की जावेगी। तत्पश्चात् आवेदक श्रीमती श्यामा बाई सिहं पति श्री शिवबहादुर सिहं निवासी मकान नं0 31 वार्ड क्रमांक 41 दुर्गा मंदिर के पास राय कालोनी कटनी (म0प्र0) के आवेदन अनुसार भूखण्ड क्रमांक 1/25/449, का नामान्तरण श्री संजीव कुमार वर्मा पिता श्री रामनिवास वर्मा निवासी इन्द्रिरा नगर रीवा मध्यप्रदेश के नाम करने की कार्यवाही की जावेगी।

उपायुक्त (राजस्व)
नगर पालिक निगम रीवा (म.प्र.)

मलबे की तहों पर

संपादकीय

डंपिंग पर वैज्ञानिक नीति बनाने की आवश्यकता और अदालत के आदेश को कार्यान्वित करने की मंशा से हिमाचल ने कुछ महकमों की उच्च स्तरीय समिति का गठन किया है। मलबा अपने चरित्र में विस्फोटक हो गया और नवनिर्माण का यह वाई प्रोडेक्ट शैतान हो गया। दरअसल आपदा और निर्माण से पहले अगर मलबे की शक्ल देख ली जाए, तो टनों के हिसाब से हमने अपनी बर्बादी का सामान एकत्रित किया है। प्राकृतिक और बरसाती आपदा का हर कारण, मलबे की तहों पर खड़ा है। ऐसा भी नहीं कि मलबा इस्तेमाल नहीं हो सकता या इसके सदुपयोग से नई सतह पर आविष्कार नहीं हो सकता, लेकिन पिछले तीन दशकों या यूं कहें कि जब से धरती को खोदने की मशीनें सक्रिय हुई हैं, हमने इसे अपनी ही परेशानी का सबब बना लिया। मलबा पावर प्रोजेक्ट व बड़े बांधों की तश्तरी में आकर पानी में उफान पैदा कर रहा है। मानवीय गतिविधियों के अतिक्रमण से प्राकृतिक जल निकास को बाधित कर रहा है। गलत शहरी और ग्रामीण विकास से चिन्हित मलबे ने कई कब्रगाह बना लिए हैं, तो जलापूर्ति और सीवरेज की गलत स्थापना ने आसपास मलबे की नींव खोद दी है। ऐसा भी नहीं है कि सारा मलबा विकास ही पैदा कर रहा है। वनों के साम्राज्य को बढ़ाते हुए भौगोलिक दृष्टि से पैदा होती घास, झाड़ियों और वनस्पति को रौंद कर उगाए गए चीड़ प्रजाति के पेड़ों ने जमीन को भस्मासुर बना दिया।

लगातार गिरते पेड़ों को अगर वन महकमा हटाए तथा जंगल में जल निकासी को दिशा दिखाए, तो कम से कम इसकी वजह से शुरू हुआ 'मलबा आखेट' तो कम हो जाएगा। बेशक समिति की अध्यक्षता में पीडब्ल्यूडी महकमा अपनी सड़कों के किनारे मलबे की डंपिंग या हर अवरुद्ध मार्ग को खोलने के प्रयत्न में इसे गहरी खाई या नदी-नालों में सरका देने की छूट से परहेज करना होगा। सड़कों को खोदते विभिन्न विभाग भी कम दोषी नहीं, लेकिन ग्रामीण व शहरी समाज की गतिविधियों पर अंकुश लगाने की परिपाटी अगर संबंधित विभाग नहीं बनाएंगे तो सारी बस्तियां एक दिन मलबा बन जाएंगी। टीसीपी एक्ट से भागते तमाम जनप्रतिनिधियों को भी बताना होगा कि जब किसी शहरी विकास योजना या ग्रीन बैल्ट के प्रतिबंध से हटा कर क्षेत्र मुक्त किए जाते हैं तो अंधाधुंध निर्माण अपने साथ मलबे की सौगात में प्राकृतिक व भौगोलिक परिस्थितियां बदल देता है। इसी बरसात की फांस में मंडी, मनाली, मकलोडगंज, सोलन, शिमला, नयना देवी और बाकी शहरों में गिरे मलबे में शहरी विकास योजनाओं का दोष खोज लेना चाहिए। शहरी निकाय खास तौर पर नगर निगमों में निर्माण की अनुमत्तियों के पैमाने साफ नहीं किए, तो हर इमारत एक दिन मलबा बनेगी।

बहुत ही नाजुक डोर से बंधा पाक-अफगान सीजफायर

सनत जैन

दुनियां आज उस दौर से गुजर रही है, जहां चारों ओर बारुद के ढेर पर खड़े होकर आग का तमाशा दिखाने और देखने वालों का मजमा लगा हुआ है। ऐसे में शांतिप्रिय देशों और उनके लीडरों को आगे आना चाहिए, ताकि तृतीय विश्वयुद्ध की आशंकाओं से दुनियां को बाहर निकाला जा सके। यह अलग बात है कि जो देश और लीडर शांति स्थापित करने में अहम भूमिका अदा कर सकते हैं वो भी किसी न किसी रुप में युद्ध में उलझे नजर आते हैं। चिंता की बात तो यह भी है, कि जो शक्तिसंपन्न राष्ट्र हैं वो भी बात तो शांति की करते हैं, लेकिन युद्ध को जारी रखने और ज्यादा भयावह बनाने के लिए जरुरत से ज्यादा जंग का साजो-सामान मुहैया कराने से गुरेज भी नहीं कर रहे हैं। नतीजा यह, कि विकासशील और अविकसित छोटे-छोटे देश भी कर्ज लेकर खुद को सामरिक तौर पर मजबूत बनाने में लगे हुए हैं। इस स्थिति में शांति के साथ दुनियां को बेहतर भविष्य देने वालों का हाल क्या होगा, आसानी से समझा जा सकता है। यहां यह नहीं भूलना चाहिए कि बारुद के ढेर को उड़ाने के लिए माचिस की एक तिली ही काफी होती है, लेकिन उस आग को काबू पाने में तमाम कोशिशें नाकाम साबित हो जाती हैं। इसलिए बारुद का ढेर बनाने और उस पर नाचने वालों को रोकना होगा। इसके लिए सबसे पहले जरुरी हो जाता है कि पड़ोसी मुल्क जंग में उतरने की बजाय मानवता के नाम पर शांति और सहअस्तित्व को अपनाते हुए शांतिपथ पर अग्रसर हों। फिर चाहे वह रुस और यूक्रेन की जंग हो या फिर गाजा में इजराइल और हमास के बीच शांति समझौते के बाद हो रहे हमले हों, इन्हें रुकना ही चाहिए। जहां तक पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच जारी संघर्ष की बात है तो इसे भी समय रहते रोका जाना चाहिए, क्योंकि इसकी आंच पड़ोसी देशों तक पहुंचने में देर नहीं करेगी। राहत की बात यह है, कि हाल ही में हुए खूनी संघर्ष के बाद दोनों देशों ने एक अस्थायी युद्धविराम (सीजफायर) पर सहमति तो बना ली है, लेकिन यह समझौता उतना ही कमजोर और अस्थिर है जितनी कि किसी नाजुक डोर पर तेज हवा में अठखेलियां करती पतंग। पाकिस्तान ने खुद स्वीकार किया है कि यह सीजफायर बहुत नाजुक लाइन पर टिका हुआ है। वहीं अफगानिस्तान ने साफ शब्दों में कहा है, कि पाकिस्तान अपने ही राजनीतिक विरोधियों को आतंकवादी कहकर बदनाम करता है और अपने अंदर झांकने को तैयार नहीं है। दरअसल, इस्लामाबाद और काबुल के बीच का समझौता तुर्की और कतर की मध्यस्थता में हुआ, जिसमें यह तय हुआ कि दोनों देश एक-दूसरे की सीमाओं का उल्लंघन नहीं करेंगे और किसी भी प्रकार की घुसपैठ को रोकेंगे। इस समझौते के बाद पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने कहा, कि यह सीजफायर तभी कायम रहेगा जब अफगान की तालिबान सरकार पाकिस्तान पर हमला करने वाले समूहों पर सख्ती से लगाम लगाएगी। उन्होंने चेतावनी भरे लहजे में कहा, अफगानिस्तान से आने वाली कोई भी चीज इस समझौते का उल्लंघन होगी। सब कुछ इसी एक लाइन पर टिका है। कुल मिलाकर ख्वाजा आसिफ का यह बयान बताता है कि पाकिस्तान को तालिबान पर भरोसा नहीं है। एक वजह यह हो सकती है कि पाकिस्तान डरा हुआ है, कि अफगानिस्तान की जमीन का इस्तेमाल उसके खिलाफ करने की साजिशें फिर से शुरू हो सकती हैं। खासकर पाकिस्तान तहरीक-ए-तालिबान (टीटीपी) जैसे संगठन, जो वर्षों से इस्लामाबाद के लिए सिरदर्द बने हुए हैं, उनकी गतिविधियों पर पाकिस्तान की चिंता लाजमी है। दूसरी ओर, अफगानिस्तान ने भी पाकिस्तान को करारा जवाब दिया है। अफगानिस्तान के रक्षा मंत्री मोहम्मद याकूब मुजाहिद ने चेताते हुए कहा, सभी पक्षों को समझौते के हर प्रावधान का पालन करना चाहिए। उन्होंने स्पष्ट कहा, काबुल इन शर्तों के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है, लेकिन अगर पाकिस्तान अपने दायित्वों को पूरा नहीं करता है, तो इससे समस्याएं पैदा होंगी। यह अलग बात है कि याकूब ने मध्यस्थ देशों तुर्की और कतर से इस समझौते के प्रभावी क्रियान्वयन में मदद करने की भी अपील कर दी है। इसका मतलब साफ है कि अफगानिस्तान नहीं चाहता कि संघर्ष हो और खून-खराबे की नौबत आए। वैसे भी अफगानिस्तान दशकों से युद्ध की विभीषिका को झेलता आया है, ऐसे में अब वह शांति के साथ आगे बढ़ना और बेहतर जिंदगी को तलाशना चाहता है।

"

उत्तर प्रदेश में दीपोत्सव की शुरुआत वर्ष 2017 में हुई थी, जब केवल 1.71 लाख दीये जलाए गए थे। तब से हर वर्ष यह आयोजन और भव्य होता गया है, और 2025 में इसकी संख्या बढ़कर 26.17 लाख तक पहुंच गई। अयोध्या में इस वर्ष दीपोत्सव 2025 में राम की पैड़ी और सरयू नदी के तटों पर करीब 26,17,215 दीये एक साथ जलाकर विश्व रिकॉर्ड बनाया गया। यह आयोजन गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड द्वारा प्रमाणित किए जाने की प्रक्रिया में है। इस अवसर पर 2,128 श्रद्धालुओं ने एकसाथ आरती और दीये-प्रज्वलन का समवर्ती अनुष्ठान किया, जो एक अलग रिकॉर्ड के रूप में दर्ज हुआ। कार्यक्रम में लगभग 33,000 स्वयंसेवक और हजारों श्रद्धालु शामिल हुए।

इस तरह के विश्व रिकॉर्ड्स का क्या किया जाए

एड.संजय पांडे

भाजपा सरकार के अनुसार दीपोत्सव का उद्देश्य अयोध्या को एक वैश्विक धार्मिक पर्यटन स्थल के रूप में प्रस्तुत करना है। ड्रोन शो, लेजर लाइटिंग, सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ और तकनीकी प्रदर्शनों के साथ नव-अयोध्या, धार्मिक पर्यटन और संस्कृति-विकास के प्रतीक के रूप में अयोध्या की ब्रांडिंग करके स्थानीय अर्थव्यवस्था और सेवा क्षेत्र को लाभ मिलने का दावा किया जा रहा है। जिससे पर्यटन-उद्योग, होटल-अकॉमोडेशन, स्थानीय सेवा-उद्योग को बल मिलने, अयोध्या में रियल इस्टेट की कीमतें कई गुना बढ़ने कुम्हार-परिवारों और हस्तशिल्प कारीगरों को रोजगार और आय का स्रोत मिलने का दावा शामिल है। लेकिन इसी सिक्के का दूसरा पहलू भी है। टीका टिप्पणी को हवा ना मिले इसके लिए पिछले ढेरों सालों से हो रहे अयोध्या के दीपोत्सव के संबंध में कुछ बजट आबंटन या खर्च-संबंधी जानकारी पूरी तरह से वर्ष-वार स्पष्ट व विस्तृत आंकड़े सार्वजनिक नहीं हैं। तो क्या यूपी सरकार के पास इस क्षेत्र में उपलब्धि वाकई सराही जाने योग्य है? क्या करदाताओं के पैसों से और सरकारी खर्चों से किये जा रहे ऐसे आयोजनों को बढ़ावा देने से उत्तर प्रदेश की समस्याएं हल हो सकती हैं? ऐसे सवाल उठ रहे हैं। ऐसे अजीब रिकॉर्ड्स का यूपी करेगा क्या? इन आयोजनों पर कितना खर्च हो रहा है और अयोध्या शहर को हुआ फायदा क्या यूपी को भी हो रहा है ऐसे कई सवाल बरकरार हैं। एक तरफ ऐसे आयोजनों पर बेशुमार खर्च करके किसी तरह के रिकॉर्ड बनाना और अपनी असली हकीकत से मुँह छुपाना ये अपने आप मे विरोधाभास है. उत्तर प्रदेश भारत का एक ऐसा राज्य है, जो अपनी विशाल क्षमता के बावजूद गरीबी, कम साक्षरता, खराब स्वास्थ्य, और कमजोर बुनियादी ढांचे के कारण पिछड़ा हुआ है। यह न केवल भारत के अन्य राज्यों से, बल्कि वैश्विक स्तर पर भी कई विकासशील देशों से पीछे है। ऐसे में बजट और संसाधनों का बड़ा हिस्सा ऐसे आयोजनों में व्यय होता है, जिससे शिक्षा, स्वास्थ्य और स्थानीय विकास जैसे बुनियादी क्षेत्रों पर ध्यान कम हो सकता है। रिकॉर्ड बनाने की प्रवृत्ति कहीं विकास की प्राथमिकताओं को पीछे न छोड़ दे, यह सुनिश्चित करना आवश्यक है।

उत्तर प्रदेश (यूपी), भारत का सबसे अधिक आबादी वाला राज्य, अपनी विशाल जनसंख्या (लगभग 24 करोड़) के कारण वैश्विक स्तर पर पाकिस्तान या ब्राजील से तुलनीय है। लेकिन सामाजिक, आर्थिक और पर्यावरणीय संकेतकों में यह भारत और दुनिया के सबसे पिछड़े क्षेत्रों में गिना जाता है। नीति आयोग, रघुराम राजन समिति (2013), और संयुक्त राष्ट्र के आंकड़ों के अनुसार, यूपी BIMARU (बिहार, मध्य प्रदेश, राजस्थान, उत्तर प्रदेश) समूह का हिस्सा है, जो भारत के विकास को पीछे खींचता है। कुछ संकेतकों में यूपी की स्थिति उप-सहारा अफ्रीकी देशों (जैसे माली) से भी बदतर है। 2025 तक के नवीनतम आंकड़े (NITI Aayog MPI 2023, RBI 2024) सुधार दिखाते हैं, लेकिन यूपी अभी भी कई मामलों में सबसे निचले पायदान पर है।उन प्रमुख क्षेत्रों का विश्लेषण करता है, जिनमें उत्तर प्रदेश पिछड़ा है, और इसके कारणों की पड़ताल करना सरकार कब का भूल चुकी है.

गरीबी और बहुआयामी गरीबी सूचकांक (MPI) की पड़ताल करें तो उत्तर प्रदेश में 22-25त्न आबादी (लगभग 5 करोड़ लोग) बहुआयामी गरीबी में जी रही है। इसमें पोषण, शिक्षा, स्वास्थ्य, और स्वच्छता जैसे मूलभूत क्षेत्र शामिल हैं। NITI आयोग के 2023 के आंकड़ों के अनुसार, यूपी भारत में बिहार (33%) और झारखंड (28%) के बाद तीसरे स्थान पर है। वैश्विक MPI में यूपी निचले 20त्न राज्यों में आता है, जो इसे माली (2,246 PPP) जैसे देशों के करीब लाता है। ग्रामीण क्षेत्रों में स्थिति और खराब है, जहाँ स्वच्छ पेयजल और बिजली तक सीमित पहुंच है।

2024 में यूपी की प्रति व्यक्ति आय 93,422 (NSDP) है, जो राष्ट्रीय औसत (1.7 लाख) से 45% कम है। यह भारत के निचले पांच राज्यों (बिहार, ओडिशा, झारखंड, मणिपुर) में शामिल है। खरीद शक्ति समता (PPP) में यह 2,252 है, जो वैश्विक स्तर पर निम्न-आय वाले देशों के बराबर है। 2012 के बाद से आय दोगुनी हुई, लेकिन विकास दर अन्य राज्यों की तुलना में धीमी है, जिससे यूपी आर्थिक रूप से पिछड़ता है।

यूपी की साक्षरता दर 67.7% (2011 अपडेट 2024) है, जिसमें पुरुष 77.3% और महिलाएँ 57.2त्न हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में यह 60त्न से भी कम है। यह भारत के निचले 10 राज्यों में शामिल है, जहाँ राष्ट्रीय औसत 74त्न है। विशेष रूप से महिला साक्षरता में यूपी 28वें स्थान पर है, जो BIMARU राज्यों में सबसे कम है। शिक्षा की गुणवत्ता भी निम्न है, और स्कूल ड्रॉपआउट दर (विशेषकर लड़कियों में) राष्ट्रीय औसत से अधिक है।

उत्तर प्रदेश में शिशु मृत्यु दर (IMR) 64 प्रति 1,000 जन्म और मातृ मृत्यु दर (MMR) 167 प्रति लाख जन्म है। यह भारत में सबसे खराब IMR और तीसरी सबसे खराब MMR (बिहार और असम के बाद) है। ये आंकड़े कई अफ्रीकी देशों (जैसे माली, चाड) से भी बदतर हैं। NFHS-5 (2019-21) के अनुसार, टीकाकरण और पोषण की कमी ग्रामीण क्षेत्रों में गंभीर समस्या है। इसके अलावा, कोविड-19 के दौरान यूपी में सड़क हादसों से 41,746 मौतें हुईं, जो स्वास्थ्य और सुरक्षा प्रणालियों की कमजोरी दर्शाता है।

यूपी में बेरोजगारी दर 7-8% (NSSO 2023) है, जो राष्ट्रीय औसत (6%) से अधिक है। 50 लाख से अधिक मजदूर रोजगार के लिए अन्य राज्यों (महाराष्ट्र, गुजरात, दिल्ली) में प्रवास करते हैं। BIMAR राज्य भारत की 45% आबादी का प्रतिनिधित्व करते हैं, लेकिन त्नष्ठक्क में केवल 8-9त्न योगदान देते हैं। यूपी की अर्थव्यवस्था 70% कृषि पर निर्भर है, लेकिन कम उत्पादकता और बाढ़-सूखा जैसी समस्याएँ इसे और कमजोर करती हैं।

यूपी में बुनियादी ढांचा, विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में, बेहद कमजोर है। वैश्विक स्तर पर खुले में शौच के 60% मामले भारत में हैं, और यूपी इसका बड़ा हिस्सा है। स्वच्छ भारत मिशन के बावजूद, ग्रामीण स्वच्छता में प्रगति धीमी है। सड़क घनत्व राष्ट्रीय औसत से कम है, और 101 आकांक्षी जिलों में से 6 (श्रावस्ती, बलरामपुर, सिद्धार्थनगर, चंदौली, फतेहपुर, बहराइच) यूपी में हैं। पूर्वी यूपी विशेष रूप से पिछड़ा है। यूपी में गंगा नदी का प्रदूषण वैश्विक स्तर पर उच्च है, और गंगा सफाई परियोजना असफल रही है। कृषि, जो 70% आबादी का आधार है, कम उत्पादकता और जलवायु परिवर्तन के प्रभावों से जूझ रही है। प्रति हेक्टेयर उपज राष्ट्रीय औसत से कम है, और बाढ़-सूखे से वार्षिक नुकसान होता है। यह यूपी को पर्यावरणीय और आर्थिक रूप से कमजोर बनाता है।

यूपी में अपराध दर, विशेष रूप से पुलिस हिरासत में मौतें (2014 में 365), भारत में सबसे अधिक हैं। जाति और सांप्रदायिक हिंसा भी आम है। ह्रष्टक्रक्च और NHRC के आंकड़े दिखाते हैं कि यूपी के 75 जिलों में शासन और विकास असमान है। राजनीतिक अस्थिरता और भ्रष्टाचार ने दीर्घकालिक विकास को बाधित किया है।

सभी भाजपा और आरएसएस नेताओं में कम्युनिस्टों के प्रति घोर घृणा का भाव देखा जाता है। कम्युनिस्ट पार्टी शासित राज्य केरल से उत्तर प्रदेश की तुलना किसी भी मायने में नहीं की सकती। केरल सरकार सार्वजनिक सुरक्षा और सुविधाओं को महत्व देती है वही केरल की प्रगति का एक मुख्य कारण है। 2022 के यूएनडीपी उप-राष्ट्रीय आंकड़ों के अनुसार, केरल का एचडीआई 0.758 है (भारत के राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में दूसरा स्थान), जो इसे उच्च मानव विकास श्रेणी में रखता है। इसके विपरीत, उत्तर प्रदेश का एचडीआई 0.609 है (36 में से 34वां स्थान), जो मध्यम मानव विकास श्रेणी में आता है। दोनों राज्यों के एचडीआई में 0.149 का अंतर है, जो एक महत्वपूर्ण अंतर को दर्शाता है। केरल के नाम यूपी के दीपोत्सव की तरह का कोई विश्व रिकॉर्ड नहीं है। लेकिन फिर भी दक्षिण भारत के कई राज्यों की तरह केरल स्पष्ट रूप से उत्तर प्रदेश से बेहतर प्रदर्शन कर रहा है, क्योंकि इसका एचडीआई स्कोर और सभी उप-घटक उत्तर प्रदेश से काफी ऊंचे हैं। केरल का प्रदर्शन इसे वैश्विक स्तर पर मध्यम-आय वाले देशों (जैसे मैक्सिको या चीन) के समकक्ष रखता है, जबकि उत्तर प्रदेश का प्रदर्शन दक्षिण एशिया के निम्न-मध्यम विकास स्तर के करीब है।

केरल और उत्तर प्रदेश के बीच इस अंतर के पीछे नीतिगत प्राथमिकताएं, संसाधन आवंटन, और सामाजिक-आर्थिक संरचनाओं में दीर्घकालिक अंतर हैं। केरल की जीवन प्रत्याशा 73.43 वर्ष है, जो उत्तर प्रदेश से लगभग 8 वर्ष अधिक है। इसका कारण 1970 के दशक से केरल में मजबूत सार्वजनिक स्वास्थ्य निवेश है, जैसे कि प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों का व्यापक नेटवर्क, उच्च टीकाकरण दर, और मातृ-शिशु स्वास्थ्य कार्यक्रम। उत्तर प्रदेश, अपनी विशाल जनसंख्या (24 करोड़ से अधिक) और कृषि-प्रधान अर्थव्यवस्था के साथ, कुपोषण, ग्रामीण क्षेत्रों में खराब स्वच्छता, और असमान स्वास्थ्य सेवाओं की चुनौतियों का सामना करता है, जिसके परिणामस्वरूप शिशु मृत्यु दर अधिक है और जीवन प्रत्याशा कम है।

केरल की साक्षरता दर 96% से अधिक है, और इसका सार्वजनिक शिक्षा तंत्र प्रभावी है। मुफ्त मध्याह्न भोजन योजना और लिंग-समावेशी नीतियों ने विशेष रूप से लड़कियों के नामांकन को बढ़ावा दिया है, जिसके परिणामस्वरूप औसत और अपेक्षित स्कूली शिक्षा के वर्ष अधिक हैं।

आम आदमी की उड़ान के 9 साल

आसमान में उड़ना हर किसी का सपना होता है। मनुष्य के पास उड़ने के लिए पंख भले न हों लेकिन उसके पास उम्मीदों के पंख तो हैं ही और जब हौसलों का साथ हो, मन में उल्लास हो तो संसार को जीतना आसान हो जाता है। आकाश तक विकास की ऊंची छलांग तो लगाई ही जा सकती है। दीपावली के उमंग और उल्लास भरे पुनीत अवसर पर उड़ान योजना के नौ साल पूरे हो गए। विमान सेवा को आम आदमी की पहुंच में लाने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 21 अक्टूबर, 2016 को यह योजना शुरू की थी। हालांकि इस योजना के तहत पहली उड़ान 27 अप्रैल 2017 को शिमला से दिल्ली के लिए शुरू हुई थी। यह योजना 10 साल के लिए शुरू की गई थी लेकिन अब इसकी अवधि दस साल और बढ़ा दी गई है।

सियाराम पांडेय शांत

निश्चित ही इसका लाभ न केवल विमानन क्षेत्र को मिलेगा बल्कि मध्यमवर्गीय समाज भी इससे बहुत हद तक लाभान्वित हो सकेगा। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के 2025-26 के बजटीय भाषण पर गौर करें तो आगामी साल में इस योजना में 120 नए गंतव्य शामिल किए जाएंगे, जिससे 4 करोड़ अतिरिक्त यात्रियों को सस्ती हवाई सेवा का लाभ मिल सकेगा। इस निमित्त भले ही उन्होंने नागरिक उड्डयन मंत्रालय के लिए कुल परिव्यय का खुलासा नहीं किया लेकिन बजट में 2025-26 में उड़ान योजना के लिए 540 करोड़ रुपये के आवंटन की घोषणा तो शुरू की ही थी।

उड़ान योजना के तहत अब तक 625 उड़ान मार्ग चालू किए गए हैं जो पूरे भारत में 90 हवाई अड्डों को जोड़ते हैं, जिनमें 2 जल हवाई अड्डे और 15 हेलीपोर्ट भी शामिल हैं। इस योजना से उड़ान के अंतर्गत 1.49 करोड़ से अधिक यात्री किफायती क्षेत्रीय हवाई यात्रा का लाभ उठा चुके हैं। भारत के हवाई अड्डा नेटवर्क पर विचार करें तो वर्ष 2014 तक देश में 74 हवाई अड्डे थे जो बढ़कर 159 हो गए हैं। हवाई अड्डों तक पहुंच गया जो एक दशक में दोगुने से भी अधिक है। वंचित एवं दूरदराज के क्षेत्रों में वायु संपर्क बढ़ाने के लिए सरकार ने व्यवहार्यता अंतर वित्तपोषण (वीजीएफ) के

रूप में 4,023.37 करोड़ रुपये बांटे हैं।

उड़ान योजना से जाहिर तौर पर क्षेत्रीय पर्यटन को गति मिली है। स्वास्थ्य सेवा तक पहुंच बढ़ी है और व्यापार को मजबूती मिली है। टियर-2 और टियर-3 शहरों में आर्थिक विकास में उछाल आई है। आकाश को छूना देश के अधिकांश लोगों का सपना हुआ करता था लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इसमें अपना एक और सपना जोड़ दिया और वह सपना था कि हवाई सेवा इतनी सस्ती होनी चाहिए कि उसमें चप्पल पहनने वाला आम नागरिक भी सफर कर सके। उड़े देश का आम नागरिक के स्लोगन के साथ जब यह योजना शुरू हुई तो उनके विरोधियों ने इसका उपहास भी किया लेकिन जब नीति और नीयत साफ हो तो संकल्प अपनी सिद्धि को प्राप्त करता ही है। उड़ान योजना के साथ भी कमोबेश ऐसा ही कुछ हुआ। यह कहने में शायद ही किसी को संकोच हो कि इस योजना ने तब से अब तक भारत के क्षेत्रीय वायु संपर्क परिदृश्य को बदल दिया है।

अनगिनत नागरिकों के लिए आसमान खोलना किसी उपलब्धि से कम नहीं है। इसके लिए सरकार को काफी कुछ व्यय भार झेलना भी पड़ा। किफायती किराया सुनिश्चित करने के लिए एयरलाइनों को वित्तीय सहायता उपलब्ध करानी पड़ी हवाई किराये की सीमा निर्धारित करनी पड़ी। कम आकर्षक बाजारों में उड़ानें संचालित करने के लिए एयरलाइनों को आकर्षित करने की दिशा में भी सरकार को अनेक प्रयास करने पड़े। केंद्र सरकार ने प्रथम तीन सालों के लिए आरसीएस हवाई अड्डों पर खरीदे जाने वाले एविएशन टर्बाइन फ्यूल (एटीएफ) पर उत्पाद शुल्क 2 प्रतिशत तक सीमित किया। एयरलाइन्स को अपनी पहुंच बढ़ाने के लिए कोड शेयरिंग समझौते के लिए प्रोत्साहित करने में वह पीछे नहीं रही। इस क्रम में राज्य सरकारों का सहयोग भी कमतर नहीं आंका जा सकता। राज्यों ने दस वर्षों के लिए एटीएफ पर वैट को 1 प्रतिशत या उससे कम करने तथा सुरक्षा, अग्निशमन सेवाओं और उपयोगिता सेवाओं जैसी आवश्यक सेवाएं कम दरों पर उपलब्ध कराई। सहयोग की इस युति ने एक ऐसा वातावरण तैयार किया है, जहां एयरलाइन्स कंपनियां लंबे समय से उपेक्षित क्षेत्रों में भी सेवाएं प्रदान करने का साहस नहीं जुटा पाई, वहां भी अब बदस्तूर फल-फूल रही हैं।योजना अपने प्रारंभ से विस्तार तक अनेक चरणों से गुजरी और हर चरण में उसने भारत के क्षेत्रीय हवाई संपर्क के दायरे में इजाफा ही किया है। पहली उड़ान 27 अप्रैल, 2017 को (शिमला-दिल्ली) रवाना हुई। इसमें 5 एयरलाइन संचालकों को 70 हवाई अड्डों के लिए 128 मार्ग आवंटित किये गये इनमें 36 नये हवाई अड्डे भी शामिल रहे। उड़ान का दूसरा चरण साल 2018 में शुरू हुआ जिसमें 73 कम जुड़ाव वाले और ऐसे क्षेत्र जिनसे जुड़ाव नहीं था, उन हवाई अड्डों को शामिल किया गया। यह पहला मौका था जब हेलीपैड भी उड़ान नेटवर्क का हिस्सा बने। उड़ान योजना की तीसरा चरण 2019 में शुरू हुआ जिसमें पर्यटन मंत्रालय से समन्वय स्थापित कर अनेक पर्यटन मार्ग शुरू किए गए। जल हवाई अड्डों को जोड़ने सस्ती और किफायती वायु सेवा से जोड़ने के लिए समुद्री विमान परिचालन का भी सहयोग लिया गया। पूर्वोत्तर क्षेत्र के कई मार्गों को इस योजना से जोड़ा गया। जाहिर है, इस योजना से न केवल पर्यटन कारोबार में वृद्धि हुई। रोजगार के मौके भी बढ़े हैं।

साल 2016 में जब यह योजना शुरू हुई थी तब 500 किमी की एक घंटे की यात्रा के लिए हवाई किराया 2,500 रुपये तक सीमित किया गया था। इस योजना के फलस्वरूप मुंद्रा (गुजरात) से अरुणाचल प्रदेश के तेजू तथा हिमाचल के कुल्लू से तमिलनाडु के सलेम तक उड़ान ने देशभर में 34 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को जोड़ा। दरभंगा, प्रयागराज, हुबली, बेलगाम, कन्नूर हवाईअड्डे योजना के तहत ही अस्तित्व में आए। भविष्य में और भी हवाई अड्डे आएंगे। इससे आमजन को जो राहत मिली है। उनके श्रम, समय और धन की जो बचत हुई है, उसे हल्के में नहीं लिया जा सकता। यह योजना देश के किसानों, मजदूरों को लक्ष्य करके बनाई गई थी, इसलिए भी इसका महत्व सहज बढ़ जाता है। उड़ान योजना सही मायने में आम आदमी के सपनों की उड़ान है, उसे और आगे बढ़ाने का निर्णय न केवल सराहनीय है बल्कि इस प्रक्रिया को और सरल, सहज बनाने और वायु क्षेत्र का दायरा बढ़ाने की जरूरत है, जिससे गरीबी रेखा के नीचे रह रहे लोग भी योजना से लाभान्वित हो सकें।

कृषि भूमि पर कमर्शियल कब्जा: रीवा में के सी सी कम्पनी का बड़ा खेल, प्रशासन की चुप्पी पर उठे सवाल

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। चोरहटा से रतहरा के लिए सड़क निर्माण का कार्य संभाल रही के सी सी कम्पनी पर गंभीर आरोप लगे हैं। स्थानीय निवासियों और किसानों का कहना है कि कम्पनी ने बिना डायवर्सन (भूमि उपयोग परिवर्तन की अनुमति) के कृषि और आवासीय भूमि को कमर्शियल उपयोग में लेना शुरू कर दिया है। यह न केवल राजस्व नियमों का उल्लंघन है, बल्कि इससे सरकार को लाखों रुपये के राजस्व की हानि हो रही है। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, कम्पनी ने सड़क निर्माण के लिए अस्थायी गोदाम, मशीनरी पार्किंग और अन्य निर्माण कार्यों के लिए किसानों की जमीनों का उपयोग शुरू कर दिया है। इन जमीनों का रिकॉर्ड अभी भी कृषि श्रेणी में दर्ज है, लेकिन बिना किसी वैधानिक प्रक्रिया के इनका उपयोग व्यावसायिक उद्देश्यों के लिए किया जा रहा है।

प्रशासन की लापरवाही से बढ़ा विवाद: जानकारी के मुताबिक, राजस्व और प्रशासनिक विभाग को इस गैरकानूनी गतिविधि की पूरी जानकारी होने के बावजूद कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। इससे न केवल स्थानीय लोगों में नाराज़गी बढ़ी है, बल्कि यह सवाल भी उठने लगे हैं कि क्या प्रशासनिक अधिकारियों की मौन सहमति इस पूरे खेल में शामिल है। एक स्थानीय निवासी ने बताया, कम्पनी के पास न तो भूमि उपयोग परिवर्तन की अनुमति है, न ही पर्यावरण विभाग से कोई स्वीकृति। इसके बावजूद वह बड़े पैमाने पर काम कर रही है। अगर यही काम किसी आम किसान या नागरिक ने किया होता, तो प्रशासन तुरंत नोटिस भेज देता।

किसानों की फसलें और पर्यावरण दोनों पर असर: किसानों का कहना है कि जब से कम्पनी ने उनके आसपास के क्षेत्रों में काम शुरू किया है, उनकी फसलें प्रभावित हो रही हैं। भारी मशीनों की आवाजाही, मिट्टी की खुदाई और धूल से खेतों की उर्वरता घट रही है।

एक किसान ने बताया, हमारी जमीन के पास कम्पनी ने मलबा डालना शुरू कर दिया है। इससे जल निकासी की समस्या हो गई है और खेतों में पानी भरने लगा है। हमारी गेहूं और सब्जी की फसल पूरी तरह बर्बाद हो रही है।

पर्यावरण विशेषज्ञों का भी कहना है कि बिना उचित अनुमति के कृषि भूमि का व्यावसायिक उपयोग स्थानीय पारिस्थितिकी संतुलन के लिए नुकसानदायक है। खुले में मशीनरी और तेल से निकलने वाला प्रदूषण मिट्टी और भूजल दोनों को दूषित कर सकता है।

पारदर्शिता पर उठे सवाल: स्थानीय लोगों ने कम्पनी पर काम में पारदर्शिता की कमी और लीपा-पोती का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि कम्पनी केवल दिखावे के लिए काम कर रही है, जबकि गुणवत्ता के मानकों का कोई ध्यान नहीं रखा जा रहा। कई जगह सड़क निर्माण कार्य अधूरा पड़ा है, और जो काम हुआ है, उसकी गुणवत्ता भी संदेहास्पद बताई जा रही है।

एक अन्य निवासी ने कहा, कम्पनी हर बार अधिकारियों के आने से पहले केवल सतही मरम्मत कर देती है ताकि सबकुछ ठीक दिखे। असली स्थिति इससे कहीं खराब है।

स्थानीय लोगों की मांग: क्षेत्रवासियों ने इस मामले की उच्च स्तरीय जांच की मांग की है। उनका कहना है कि कम्पनी द्वारा की जा रही गतिविधियाँ न केवल कानून के खिलाफ हैं बल्कि स्थानीय जनता के अधिकारों का खुला उल्लंघन हैं। लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि के सी सी कम्पनी पर कड़ी कार्रवाई की जाए और किसानों को हुए नुकसान की भरपाई भी सुनिश्चित की जाए।

उन्होंने यह भी कहा कि अगर प्रशासन ने जल्द कार्रवाई नहीं की, तो वे आंदोलन या न्यायिक रास्ता अपनाने को मजबूर होंगे।

रीवा जिले में के सी सी कम्पनी का यह मामला एक बार फिर दिखाता है कि कैसे सरकारी ठेकों के नाम पर निजी कम्पनियाँ नियमों की अनदेखी कर फायदा उठा रही हैं। कृषि भूमि का अवैध रूप से कमर्शियल उपयोग न केवल कानूनी अपराध है, बल्कि यह किसानों की आजीविका और पर्यावरण दोनों के लिए गंभीर खतरा बन चुका है। अब देखना यह है कि प्रशासन इस मामले को कितनी गंभीरता से लेता है और क्या वास्तव में दोषियों पर कार्रवाई होती है, या यह मामला भी अन्य विवादों की तरह फाइलों में दबकर रह जाएगा।

आपके माध्यम से मामले की जानकारी हुई है मैं उसे चेक करा लेता हूं अगर यह बात सही है कि बिना डायवर्सन के उपयोग में जमीन ली जा रही है वहीं पर्यावरण की दृष्टि से भी नियमों को दरकिनार किया जा रहा है तो उसपर जो भी वैधानिक कार्यवाही होगी वह प्रशासन बहुत जल्द करेगा।

अनुराग तिवारी – एसडीएम रीवा

किसानों के लिए वरदान है सुपर सीडर - नरवाई का निदान और बुवाई एक साथ

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। खेती को लाभ का धंधा बनाने के लिए शासन द्वारा कई योजनाएं लागू की गई हैं। किसानों को आधुनिक तकनीक का उपयोग करने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। इसी कड़ी का उदाहरण सुपर सीडर है। सुपर सीडर ट्रैक्टर के साथ जुड़कर कार्य करने वाला ऐसा यंत्र है जो नरवाई की समस्या का निदान करने के साथ-साथ बुवाई भी करता है। जो किसान धान की खेती के बाद गेंहू और चने की बुवाई करते हैं उनके लिए यह अत्यंत उपयोगी है। सुपर सीडर धान अथवा अन्य किसी भी फसल के डंठल जिसे नरवाई कहा जाता है उसे आसानी से छोटे-छोटे टुकड़ों में काटकर मिट्टी मे मिला देता है।

इसके उपयोग से नरवाई को जलाने की जरूरत नहीं पड़ती। इससे एक ओर पर्यावरण प्रदूषण पर नियंत्रण होता है वहीं दूसरी ओर मिट्टी के ऊपरी परत के उपयोगी जीवाणुओं के जीवन की रक्षा भी होती है। सुपर सीडर से नरवाई वाले खेत में सीधे गेंहू, चने अथवा अन्य फसल की बोनी की जा सकती है। इसके उपयोग से किसान को नरवाई की झंझट से मुक्ति मिलती है। जो नरवाई किसान के लिए समस्या है उसे सुपर सीडर खाद के रूप में बदलकर वरदान बना देता है।

संभागीय कृषि अभियांत्रिकी विभाग सतना में सुपर सीडर उपलब्ध है। शासन की योजनाओं के तहत किसान को सुपर सीडर खरीदने पर 40 प्रतिशत तक छूट दी जा रही है। सुपर सीडर सामान्य तौर पर एक घण्टे में एक एकड़ क्षेत्र में नरवाई नष्ट करने के साथ बुवाई कर देता है। गेंहू के बाद जिन क्षेत्रों में मूंग की खेती की जाती है वहाँ भी सुपर सीडर बहुत उपयोगी है। हार्वेस्टर से कटाई के बाद गेंहू के शेष बचे डंठल को आसानी से मिट्टी में मिलाकर सुपर सीडर मूंग की बुवाई कर देता है। सुपर सीडर के उपयोग से जुताई का खर्च बच जाता है। नरवाई नष्ट करने, जुताई और बुवाई एक साथ हो जाने से खेती की लागत घटती है। जिन किसानों के पास ट्रैक्टर हैं उनके घर के शिक्षित युवा सुपर सीडर खरीदकर एक सीजन में एक लाख रुपए तक की कमाई कर सकते हैं।

स्वास्थ्य सेवाओं के सुदृढ़ीकरण के लिए समयबद्ध कार्रवाई करें: उप मुख्यमंत्री

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक सुदृढ़ एवं सुलभ बनाने के लिए समयबद्ध कार्रवाई आवश्यक है। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि नर्स एवं नर्सिंग शिक्षकों की भर्ती प्रक्रिया शीघ्र पूर्ण की जाए तथा ए.एन.एम. काउंसलिंग का कार्य समय पर सुनिश्चित किया जाए। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने मंत्रालय भोपाल में लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग की वृहद समीक्षा की।

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि स्वास्थ्य संस्थाओं के उन्नयन से संबंधित कार्यवाही निर्धारित समय में पूर्ण की जाए। अधोसंरचना विकास के साथ आवश्यक पदों के प्रस्ताव भी एक साथ भेजे जाएं ताकि किसी स्तर पर विलंब न हो। उन्होंने सागर मेडिकल कॉलेज के यूजी हॉस्टल के उन्नयन की प्रक्रिया शीघ्र प्रारंभ करने और सीएसआर फंड से रीवा मेडिकल कॉलेज में गैस्ट्रोएंटरोलॉजी विभाग प्रारंभ करने के लिए आवश्यक औपचारिकताओं की प्राथमिकता से पूर्ति करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विशेषज्ञ चिकित्सकों की पोस्टिंग शीघ्र की जाए। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने सी.एम. केयर योजना के अंतर्गत कैंसर उपचार सेवाओं के लिए अधोसंरचना विकास एवं उपकरणों से संबंधित विस्तृत प्रस्ताव शीघ्र तैयार कर कैबिनेट अनुमोदन हेतु भेजने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि सी.एम. केयर योजना से सुपर स्पेशालिटी चिकित्सा सेवाओं का विस्तार होगा। योजना के प्रथम चरण में पूर्व से स्थापित चिकित्सा महाविद्यालय इंदौर, भोपाल, ग्वालियर, रीवा एवं सागर में सुपर स्पेशालिटी सेवाएं विकसित की जाएंगी और नए विभाग स्थापित किए जाएंगे।

योजना में मुख्य रूप से ह्रदय रोग, कैंसर रोग और ऑर्गन ट्रांसप्लांटेशन संबंधी चिकित्सा सुविधाओं का विस्तार तीन चरणों में किया जाना प्रस्तावित है।

वर्तमान में इन मेडिकल कॉलेजों में प्राथमिक ह्रदय रोग एवं मेडिकल ऑन्कोलॉजी सेवाएं संचालित हैं, जिनका विस्तार योजना के तहत किया जाएगा। योजना के अंतर्गत नवीन सुपर स्पेशालिटी अस्पतालों की स्थापना तथा शासकीय क्षेत्र में सुपर स्पेशालिटी कोर्स संचालित करने योग्य संस्थान बनाये जाने पर भी चर्चा की जा रही है।

तीर्थदर्शन ट्रेन 25 अक्टूबर को जाएगी द्वारका और सोमनाथ

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। शासन द्वारा वरिष्ठ नागरिकों को एक तीर्थस्थान की नि:शुल्क यात्रा कराने के लिए मुख्यमंत्री तीर्थदर्शन योजना लागू की गई है। इस योजना के द्वारा 60 साल से अधिक आयु के मध्यप्रदेश के निवासी नागरिकों को नि:शुल्क तीर्थयात्रा का एक बार अवसर दिया जाता है। इस योजना के तहत रीवा जिले के 200 बुजुर्गों को 25 अक्टूबर को द्वारिका और सोमनाथ की तीर्थयात्रा का अवसर दिया जा रहा है। इस संबंध में प्रभारी अधिकारी धर्मस्व ने बताया कि तीर्थदर्शन ट्रेन 25 अक्टूबर को रीवा रेलवे स्टेशन से रवाना होगी। यह ट्रेन 31 अक्टूबर को वापस लौटेगी। इसमें रीवा के 200 बुजुर्गों के साथ-साथ मऊगंज जिले के 179, सतना के 200 तथा मैहर जिले 200 बुजुर्गों को नि:शुल्क तीर्थयात्रा कराई जाएगी। तीर्थयात्रियों को सहयोग देने के लिए प्रत्येक जिले से चार अनुरक्षक भी उनके साथ जाएंगे। आवेदक बुजुर्ग को आयकर दाता नहीं होना चाहिए। यात्रा के दौरान सभी तीर्थयात्रियों को ठहरने, भोजन, पानी, चाय और नाश्ते की नि:शुल्क सुविधा दी जाएगी।

श्मशान भूमि विवाद पर ग्रामीणों ने किया चक्काजाम, शव के अंतिम संस्कार को लेकर हुआ हंगामा; प्रशासन की समझाइश पर माने

मीडिया ऑडीटर, मऊगंज (निप्र)। शिवराजपुर गांव में श्मशान भूमि पर अंतिम संस्कार को लेकर विवाद खड़ा हो गया। गुरुवार को एक शव के दाह संस्कार से रोके जाने के बाद ग्रामीणों ने मुख्य मार्ग पर चक्काजाम कर दिया। प्रशासन की समझाइश के बाद परिजन माने और शव का अंतिम संस्कार किया गया।

दाह संस्कार रोकने से पर हुआ हंगामा: घटना नईगढ़ी थाना क्षेत्र के ग्राम शिवराजपुर की है। बुधवार रात रामरती साकेत (65) का बीमारी से निधन हो गया था। जब परिजन सुबह करीब 10 बजे पारंपरिक श्मशान घाट पर दाह संस्कार करने पहुंचे, तो कुछ ग्रामीणों ने उन्हें रोक दिया। बताया गया कि कमल त्रिपाठी नामक व्यक्ति ने उस भूमि पर अपना कब्जा और पट्टा होने का दावा किया, जिससे विवाद की स्थिति बन गई।

नईगढ़ी-कटरा मुख्य मार्ग पर किया चक्काजाम: श्मशान में अंतिम संस्कार न होने देने से आक्रोशित परिजन और ग्रामीण शव को लेकर शिवराजपुर चौराहे पहुंचे। उन्होंने सुबह 11 बजे से नईगढ़ी-कटरा मुख्य मार्ग पर चक्काजाम कर दिया, जिससे करीब दो घंटे तक आवाजाही पूरी तरह बाधित रहा। सूचना मिलने पर एसडीएम राजेश मेहता और तहसीलदार दल-बल के साथ मौके पर पहुंचे।

कुछ लोगों पर अवैध कब्जे का लगाया आरोप: परिजनों का कहना था कि यह भूमि उनके पुश्तैनी श्मशान की है, जहां सदियों से उनके पूर्वजों का दाह संस्कार होता आ रहा है।

मेडिकल स्टोर को किया गया सील

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। कलेक्टर प्रतिभा पाल के निर्देश पर रीवा शहर में संचालित अन्नपूर्णा मेडिकल स्टोर को अग्रिम आदेश तक के लिये सील कर दिया गया है। उल्लेखनीय है कि अन्नपूर्णा मेडिकल स्टोर के संचालक का एक वीडियो वायरल हुआ था जिसमें उनके द्वारा नकली दवाई विक्री किये जाने का जिक्र किया गया था।

कलेक्टर ने सोशल मीडिया में वायरल वीडियो पर संज्ञान लेते हुए तत्काल टीम गठित कर मेडिकल स्टोर का निरीक्षण करने के निर्देश दिये। निरीक्षण टीम ने अन्नपूर्णा मेडिकल स्टोर को अग्रिम आदेश तक के लिये सील कर दिया है। विस्तृत जांच के उपरांत अग्रिम कार्यवाही की जायेगी। निरीक्षण टीम में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संजीव शुक्ला, नायब तहसीलदार यतीश शुक्ला, ड्रगइस्पेक्टर रेशू ठाकुर, डीएचओ प्रथम डॉ. के.डी. गौतम तथा थाना प्रभारी सिविल लाइन उपस्थित रहे।

रीवा एयरपोर्ट के विस्तार और सुदृढ़ीकरण के लिए शीघ्र बनायें प्रस्ताव: उप मुख्यमंत्री

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा है कि विंध्य क्षेत्र में विकास की गति तेज़ हुई है और औद्योगिक विस्तार निरंतर गति पकड़ रहा है। रीवा एयरपोर्ट का विस्तार एवं सुदृढ़ीकरण समय की आवश्यकता है। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने मंत्रालय में विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि रीवा एयरपोर्ट के रनवे को बड़ा करने और आवश्यक अधोसंरचना विकास के लिए विस्तृत प्रस्ताव शीघ्र तैयार किया जाये। एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ़ इंडिया के साथ नियमित सामंजस्य बनाकर कार्यवाही को गति दी जाये।

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने बताया कि रीवा एयरपोर्ट वर्तमान में एटीआर-72 विमान के संचालन के लिए लाइसेंस प्राप्त है और नाइट लैंडिंग की सुविधा से युक्त है। उन्होंने कहा कि बढ़ती हवाई सेवाओं की मांग को देखते हुए एयरपोर्ट के रनवे विस्तार और सुविधाओं के उन्नयन की दिशा में त्वरित कदम आवश्यक हैं। उन्होंने कहा कि नई एविशन नीति के अंतर्गत रीवा एयरपोर्ट के लिए दो एयरलाइन मार्गों के प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं, जिन्हें शीघ्र अंतिम रूप दिए जाने की आवश्यकता है। इस संबंध में उन्होंने तत्काल कार्यवाही के निर्देश दिए, ताकि रीवा की हवाई सेवाओं के विस्तार में विलंब न हो।

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि रीवा एयरपोर्ट के सुदृढ़ीकरण से विंध्य क्षेत्र में औद्योगिक निवेश, पर्यटन और व्यापारिक गतिविधियों को नया आयाम मिलेगा। इससे क्षेत्र की कनेक्टिविटी सशक्त होगी और स्थानीय युवाओं को रोजगार एवं अवसर प्राप्त होंगे।

अधिकारी हर दिन 4 से 5 बजे तक करें सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों का निराकरण: कमिश्नर

सीएम हेल्पलाइन में 100 दिन से अधिक की सभी शिकायतें निराकृत करें: कमिश्नर

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। कमिश्नर बीएस जामोद ने कमिश्नर कार्यालय सभागार में आयोजित बैठक में सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों के निराकरण की समीक्षा की। कमिश्नर ने कहा कि संभाग, जिला और विकासखण्ड स्तर के सभी अधिकारी प्रतिदिन 4 से 5 बजे तक सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों का निराकरण करें। जब तक सभी प्रकरण निराकृत नहीं हो जाते तब तक प्रत्येक शनिवार को भी प्रकरणों का निराकरण करें। लंबित प्रकरणों में उचित कार्यवाही करके तथ्यपूर्ण प्रतिवेदन दर्ज कराएं। संभागीय अधिकारी भी प्रतिदिन लंबित प्रकरणों के कम से कम पाँच आवेदकों से फोन के माध्यम से स्वयं संपर्क करें। महिला एवं बाल विकास विभाग, स्वास्थ्य विभाग, खाद्य विभाग, ऊर्जा विभाग, श्रम विभाग, राजस्व विभाग, जनजातीय कार्य विभाग, ग्रामीण विकास विभाग तथा नगरीय निकाय लंबित प्रकरणों के निराकरण पर विशेष ध्यान दें।

कमिश्नर ने कहा कि मांग आधारित आवेदनों में समुचित प्रतिवेदन दर्ज कर इन्हें बंद कराएं। बजट के अभाव में लंबित प्रकरणों के लिए तत्काल बजट की मांग करें। पीएचई तथा राजस्व विभाग के अधिकारी अभियान चलाकर हैण्डपंपों के अवैध कब्जे से जुड़ी शिकायतों का निराकरण करें। संभागीय अधिकारी लंबित प्रकरणों के संबंध में अधीनस्थ जिलाधिकारी, विकासखण्ड स्तरीय अधिकारी और मैदानी अधिकारियों से जानकारी लें। मैदानी अधिकारियों पर जिम्मेदारी निर्धारित करने पर ही प्रकरणों का निराकरण होगा। लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों पर कड़ी कार्यवाही करें। अक्टूबर माह में सेवानिवृत्त होने वाले शासकीय सेवकों के पेंशन प्रकरण तीन दिवस में ऑनलाइन और आफलाइन दर्ज कराएं।

बैठक में कमिश्नर ने कहा कि संयुक्त संचालक कृषि खाद और बीज की उपलब्धता तथा वितरण के संबंध में प्रतिदिन रिपोर्ट प्रस्तुत करें। खाद के रैक प्राप्त होने की जानकारी किसानों तक पहुंचाएं। किसानों को डीएपी के स्थान पर वैकल्पिक खाद के उपयोग के लिए प्रेरित करें। कमिश्नर ने कहा कि सभी मुख्य नगर पालिका अधिकारी नगरीय निकायों में विशेष अभियान चलाकर बाजारों तथा अन्य सार्वजनिक स्थलों की साफ-सफाई कराएं। नालियों और खाली पड़े प्लाटों से भी कचरे का उठाव कराएं। लोक निर्माण विभाग, एनएचआई तथा मध्यप्रदेश सड़क विकास निगम के अधिकारी वर्षा से क्षतिग्रस्त सड़क ओवर ब्रिज तथा पुलों में सुधार का कार्य तत्काल शुरू कराएं। बेला से सतना रोड, बेला में सतना और रीवा रोड के जंक्शन तथा चित्रकूट रोड में सुधार का कार्य तत्काल कराएं। सड़क दुर्घटनाओं में मृत पशुओं को तत्काल सड़क से हटाने की व्यवस्था करें। सभी राजस्व अधिकारी धान, कोदो तथा सोयाबीन के उपार्जन के लिए पंजीकृत किसानों के रकबे का शत-प्रतिशत सत्यापन सुनिश्चित करें।

बैठक में सहायक संचालक कृषि प्रीति द्विवेदी ने बताया कि संभाग में आगामी फसल के लिए 2.20 लाख क्विंटल बीज की मांग है। इसके विरूद्ध दो लाख 11 हजार क्विंटल बीज उपलब्ध हो गया है। इसका जनप्रतिनिधियों के माध्यम से किसानों को वितरण किया जाएगा। संभाग में 10122 टन यूरिया तथा 9200 टन डीएपी एवं 8465 टन एनपीके खाद उपलब्ध है। बैठक में मुख्य अभियंता ऊर्जा प्रमा पाण्डेय ने बताया कि चित्रकूट के लिए 33 केव्ही की नई लाइन बनाई जा रही है। इसमें 16 किलोमीटर क्षेत्र में वन भूमि से निर्माण कार्य की अनुमति के लिए ऑनलाइन आवेदन वन विभाग को किया गया है।

थाना मनगवां पुलिस द्वारा राहगीर के साथ लूट करने वाले फरार को किया गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। मनगवां थाना प्रभारी निरीक्षक गजेन्द्र सिंह धाकड़ और उनके हमराह पुलिस स्टाफ ने एक महत्वपूर्ण कार्रवाई की है। पुलिस ने घटना कारित करने वाले आरोपी के साथी को गिरफ्तार किया है, जो घटना के समय फरार था। आरोपी को घटना में प्रयुक्त डीलक्स मोटरसाइकिल के साथ गिरफ्तार किया गया है।

थाने से मिली जानकारी के अनुसार, 19 अक्टूबर को फरियादी संदीप द्विवेदी, पिता शिवानन्द दुबे, उम्र 30 वर्ष, निवासी ग्राम डेल्ही थाना मनगवां, अपने साथी के साथ मोटरसाइकिल से गंगेव जा रहा था। जैसे ही वह सेंगरी नदी पुल के पास पहुंचा और फोन में बात करते हुए रुका, तभी पीछे से आ रही बिना नंबर की डीलक्स मोटरसाइकिल में सवार अज्ञात दो व्यक्तियों ने लूट की घटना को अंजाम दिया। इस घटना की रिपोर्ट थाना मनगवां में अपराध क्रमांक 544/25 धारा 309 (4) बीएनएस के तहत पंजीबद्ध की गई थी।

घटना में फरार आरोपी मनीष उपाध्याय, पिता गोमती प्रसाद उपाध्याय, निवासी गोदरी थाना मनगवां जिला रीवा को थाना प्रभारी मनगवां के द्वारा, हमराह पुलिस स्टाफ की मदद से, 21 अक्टूबर को लूट की घटना में प्रयुक्त वाहन मोटरसाइकिल डीलक्स सहित गिरफ्तार किया गया है।

उक्त कार्यवाही में निरीक्षक गजेन्द्र सिंह धाकड़, सउनि. प्रमोद पाण्डेय, प्रआर. 984 जय सिंह, प्रआर. 559 बलराम पासी, प्रआर. 713 आशीष सिंह, आर. 1171 धनन्जय यादव, आर. 994 अजय सिंह, और आर. 401 अमरीश सिंह की भूमिका सराहनीय रही।

मप्र के कटनी में देर रात थाने पर हमला लोगों ने पुलिसकर्मियों से की मारपीट

कटनी, एजेंसी। मध्य प्रदेश के कटनी शहर के बाकल थाने में बुधवार रात कुछ लोगों ने हमला कर दिया। मामला समुदाय विशेष के दो युवकों द्वारा अपहरण कर एक हिन्दू युवक के साथ मारपीट से जुड़ा है। इसी को लेकर देर रात बड़ी संख्या में लोग थाने पहुंच गए और बवाल मचाते हुए पुलिस कर्मियों से मारपीट की। इसमें दो पुलिसकर्मी घायल हो गए। एक की हालत गंभीर है। पुलिस ने पांच लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया है। आरोपियों की तलाश की जा रही है। फिलहाल, बाकल क्षेत्र में भारी पुलिस बल तैनात किया गया है।

पुलिस ने बताया कि गत 19 अक्टूबर को कुणाल सिंह राजपूत ने एफआईआर दर्ज कराई थी, जिसमें उसने कहा था कि असीम खान और आमिल खान उसे जबरन अज्ञात स्थान पर ले गए। वहां बेरहमी से पीटा। सिगरेट से दागा और मोबाइल छीनने की कोशिश की थी। वह किसी तरह बचकर भाग आया। घटना के बाद पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने मारपीट की धाराओं का प्रकरण दर्ज उसी दिन दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया था। इसको लेकर करणी सेना के लोगों ने पुलिस पर आरोप लगाते हुए प्रदर्शन करने का अल्टीमेटम दिया था।

संगठन पदाधिकारियों का कहना था कि पुलिस ने जानबूझकर मारपीट का कमजोर केस दर्ज किया है। आरोपियों के खिलाफ अपहरण और हत्या के प्रयास का केस दर्ज किया जाए। बुधवार शाम को करणी सेना के सदस्य इसी मांग को लेकर बाकल थाने पहुंचे। उन्होंने थाना प्रभारी रश्मि सोनकर को बर्खास्त करने की मांग करते हुए नारेबाजी की। इसके बाद बस स्टैंड पर चक्काजाम कर दिया। सूचना मिलते ही एडिशनल एसपी संतोष कुमार डहेरिया मौके पर पहुंचे। प्रदर्शनकारियों को समझाइश दी। कड़ी कार्रवाई का आश्वासन मिलने के बाद प्रदर्शन खत्म कर दिया गया।

प्रदर्शन समाप्त होने के कुछ देर बाद रात करीब 10 बजे प्रदर्शनकारियों का एक समूह दोबारा थाने पहुंचा। यहां पुलिसकर्मियों से बहस की। फिर मारपीट करने लगे। इसमें हेड कॉन्स्टेबल कृष्ण कुमार शुक्ला और कॉन्स्टेबल अवधेश मिश्रा घायल हो गए। हेड कॉन्स्टेबल शुक्ला को प्राथमिक उपचार के बाद कटनी के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उनकी हालत नाजुक बनी हुई है। एसडीओपी आकांक्षा चतुर्वेदी ने बताया कि मामले में नामजद पांच लोगों पर मामला दर्ज किया गया और शेष लोगों की पहचान की जा रही है। गांव में पुलिस बल तैनात किया गया है।

ट्रेन में फौजी बना फर्जी टीटीई, यात्रियों से वसूले रुपए

ग्वालियर, एजेंसी। ग्वालियर में झेलम एक्सप्रेस ट्रेन में यात्रियों से वसूली कर रहा एक फर्जी टीटीई पकड़ा गया। यह शख्स झांसी से ग्वालियर तक बिना टिकट यात्रा कर रहा था और यात्रियों से सीट दिलाने के नाम पर रुपए वसूल रहा था। एक यात्री ने उसका वीडियो बनाकर रेलवे के सोशल मीडिया अकाउंट पर टैग किया, जिसके बाद रेलवे प्रबंधन और जीआरपी हरकत में आ गए।

ग्वालियर पहुंचने पर फर्जी टीटीई को हिरासत में लिया गया। जब यह पकड़ा गया तो खुद को आर्मी का जवान बताया। यह यह पूरी घटना बुधवार की है। जीआरपी थाना प्रभारी जितेंद्र चंदेलिया ने बताया कि आरोपी ने खुद को फौजी बताते हुए बबीना में पदस्थ होना कहा। आरोपी का नाम कमल पांडेय है। शुरुआती जांच में पता चला है कि वह नशे की हालत में था। उसका मेडिकल परीक्षण कराया गया है और मामले की जानकारी एमसीओ को दी गई है। वहीं, उसके खिलाफ एफआईआर भी दर्ज की गई है।

वीडियो वायरल होने के बाद रेलवे टीम ने की कार्रवाई: रेलवे के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर बुधवार शाम झेलम एक्सप्रेस में फर्जी टीटीई का वीडियो वायरल हुआ, जिसमें वह यात्रियों से बिना टिकट यात्रा करने पर वसूली कर रहा था। वह वेटिंग टिकट वाले यात्रियों से सीट देने के नाम पर रुपए लेते हुए भी नजर आया।

वीडियो की जानकारी मिलते ही मुख्य वाणिज्य निरीक्षक ग्वालियर और कमर्शियल कंट्रोल विभाग सक्रिय हुए और झेलम एक्सप्रेस (गाड़ी संख्या 11077 डाउन) में जांच टीम भेजी। सीटीआई ग्वालियर राजीव शर्मा और आरपीएफ स्टाफ ने जनरल और दिव्यांग कोच में संयुक्त जांच की, जहां आरोपी को रंगे हाथ पकड़ा गया। उसके पास से 1620 रुपए नकद बरामद हुए। पूछताछ में आरोपी ने झांसी से ग्वालियर तक कई यात्रियों से पैसे लेने की बात स्वीकार की।

पकड़े जाने पर खुद को बताया फौजी: जब रेलवे टीम ने उसे पकड़ा, तो उसने अपना नाम कमल पांडेय बताया और दावा किया कि वह भारतीय सेना में बबीना में पदस्थ है। रेलवे स्टाफ ने आरोपी को जीआरपी के सुपुर्द कर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। रेलवे अधिकारियों ने यात्रियों से अपील की है कि वे ऐसे संदिग्ध व्यक्तियों से सतर्क रहें और टिकट जांच के दौरान वर्दीधारी असली स्टाफ की पहचान अवश्य करें। यह पहला मामला नहीं है जब फर्जी टीटीई ने यात्रियों को ठगा हो। इससे पहले भी 2023 में ग्वालियर रेलवे स्टेशन पर दो बार ऐसे मामले सामने आ चुके हैं। आरोपी टीटीई की तरह दिखने वाली वर्दी पहनकर यात्रियों से पैसे वसूलते थे। रेलवे अधिकारियों का कहना है कि त्योहारों के दौरान ऐसे फर्जीवाड़े बढ़ जाते हैं, इसलिए यात्रियों को सजग रहना चाहिए। संदिग्ध व्यक्तियों की जानकारी तुरंत रेलवे हेल्पलाइन नंबर 139 पर दें। रेलवे रिकॉर्ड के अनुसार, 4 अप्रैल 2024 को भी जम्मूतवी जाने वाली झेलम एक्सप्रेस में एक व्यक्ति ने खुद को इंटेलिजेंस इंस्पेक्टर बताकर यात्रियों से वसूली की थी। उस मामले में फर्जी अधिकारी को ग्वालियर स्टेशन पर डिप्टी सीटीआई देवेंद्र श्रीवास्तव ने पकड़ा था। आरपीएफ टीआई मनोज कुमार ने बताया, झेलम एक्सप्रेस में यात्रियों से अवैध वसूली करते हुए एक फर्जी टीटीई को पकड़ा गया है। आरोपी को कार्रवाई के लिए जीआरपी को सौंप दिया गया है।

जबलपुर में बदमाशों ने बेसबॉल से युवक की पिटाई की

जबलपुर, एजेंसी। जबलपुर के गढ़ा क्षेत्र में बुधवार देर रात बेसबॉल लिए बदमाशों ने एक युवक की बीच सड़क पर पिटाई कर दी। युवक को बचाने की कोशिश करने वाले कपड़ा व्यापारी के साथ भी मारपीट की गई। घटना के बाद आरोपि धमकी देते हुए फरार हो गए।

जानकारी के मुताबिक, आनंद कुंज के पास बाइक सवार बदमाश एक युवक का पीछा करते हुए पहुंचे। जान बचाने के लिए युवक पास की कपड़े की दुकान में घुस गया, लेकिन बदमाशों ने उसे देख लिया। वे बेसबॉल लेकर दुकान में घुस गए और युवक पर हमला कर दिया। व्यापारी ने बीचबचाव किया तो उसे भी पीटा गया और दुकान में कांच की बोतलें फोड़ दीं। इसके बाद युवक को घसीटकर बाहर निकाला गया और सरेराह उसकी पिटाई की गई। शोरूम संचालक सुधीर नायक ने बताया कि वह देर रात दुकान बंद कर रहे थे, तभी युवक दुकान में घुसा और उसके पीछे कुछ लोग भी अंदर आ गए। बेटे साहिल ने उनसे पूछा तो बिना कुछ बोले मारपीट शुरू कर दी। बाद में युवक को बाहर ले जाकर पीटा गया। घायल युवक को राहगीरों की मदद से मेडिकल अस्पताल भेजा गया।

व्यापारी ने बताया कि वे तुरंत गढ़ा थाने पहुंचे, लेकिन पुलिस ने सिर्फ आवेदन लेकर उन्हें लौटा दिया। देर रात स्थानीय जनप्रतिनिधियों के हस्तक्षेप के बाद पुलिस ने आखिरकार एफआईआर दर्ज की।

मप्र : श्रम विभाग ने श्रमिकों की आयु गणना के लिये नवीन निर्देश किए जारी

भोपाल, एजेंसी। मध्य प्रदेश में मुख्यमंत्री जन कल्याण संबल योजना अंतर्गत श्रमिक की आयु गणना के लिये श्रम विभाग द्वारा नवीन निर्देश जारी किये गये हैं। अब आयु गणना के लिये आधार कार्ड के आधारपर शब्द विलोपित किया गया है। आयु के प्रमाण के लिये परीक्षा लेने वाले बोर्ड या विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान किया गया प्रमाण पत्र या अंकसूची या उस अंतिम विद्यालय द्वारा, जिसमें उसने अध्ययन किया, जारी किया गया विद्यालय छोड़ने का प्रमाण पत्र मान्य होगा। इसी तरह जन्म तथा मृत्यु के रजिस्ट्रार से प्रमाण पत्र एवं ग्राम पंचायत या मुख्य नगर पालिका अधिकारी से प्रमाण पत्र मान्य होगा।

श्रम विभाग के अतिरिक्त सचिव बसंत कुर्रे ने गुरुवार को बताया कि उपरोक्त प्रमाण-पत्रों के न होने पर उस चिकित्सा अधिकारी का प्रमाण पत्र, जो शासकीय सेवा में सहायक शल्य चिकित्सक की पदश्रेणी से निम्न पद श्रेणी का न हो का प्रमाण पत्र मान्य होगा। उक्त चारों दस्तावेजों अथवा स्थानीय स्तर पर उपलब्ध अन्य आयु संबंधी दस्तावेजों के परीक्षण उपरांत गुण-दोष के आधार पर आयु संबंधी निर्णय लिया जायेगा।

श्रमिकों को बोनस भुगतान जरूरी

श्रम विभाग द्वारा राज्य में संचालित समस्त कारखानों और वाणिज्यिक

संस्थानों में कार्यरत श्रमिकों के लिए बोनस भुगतान अधिनियम 1965 के तहत कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। ऐसे संस्थान जहां बीस या इससे अधिक श्रमिक कार्यरत हैं और जिनका मासिक वेतन 21 हजार रूपये से कम है, उन्हें बोनस भुगतान किया जाना जरूरी है।

अधिनियम के अनुसार हर लेखा वर्ष में किए गए कार्य के बोनस का भुगतान आगामी लेखा वर्ष में 30 नवंबर तक किया जाना चाहिए। बोनस की राशि 7000 रूपये अथवा 8.33त्न जो भी अधिक हो वह देय होगी। उप श्रम आयुक्त आशीष पालीवाल ने बताया है कि उक्त बोनस का भुगतान न होने की स्थिति में अपनी शिकायत संबंधित जिला श्रम कार्यालय में, एल.सी.एम. एस.पोर्टल पर, शासन द्वारा संचालित cmhelpline पोर्टल 181 पर अथवा श्रम विभागीय टोल फ्री नंबर 18002338888 पर दर्ज करवा सकते हैं।

दमोह- भीषण सड़क हादसा, मोटरसाइकिल में आग, चालक की दर्दनाक मौत

दमोह, एजेंसी। मध्य प्रदेश के दमोह जिले में सोमवार देर रात एक भीषण सड़क हादसे ने पूरे क्षेत्र को दहला दिया। दमोह-जबलपुर मार्ग पर ग्राम चिरई चोंच के आगे एक ऑटो और मोटरसाइकिल के बीच हुई जोरदार भिड़ंत में एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि ऑटो पलट गया, वहीं मोटरसाइकिल में आग लग गई। यह दर्दनाक हादसा 22 अक्टूबर की देर रात करीब 12 बजे के बाद का बताया जा रहा है।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, देर रात जब सड़क पर यातायात बेहद कम था, उसी दौरान एक तेज रफ्तार मोटरसाइकिल और ऑटो आमने-सामने टकरा गए। टक्कर इतनी जोरदार थी कि मोटरसाइकिल सवार सड़क पर गिरते ही बेहोश हो गया और कुछ ही मिनटों में उसकी मौत हो गई। वहीं ऑटो पलटने से उसमें सवार लोगों को भी चोटें आई। हादसे के तुरंत बाद स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी।

जानकारी मिलते ही जबलपुर नाका चौकी से एएसआई अभय सिंह, आरक्षक प्रताप, आरक्षक रूपेश और सैनिक साहब लाल मौके पर पहुंचे। पुलिस टीम ने घटनास्थल का मुआयना किया और निजी वाहन की मदद से मृतक के शव को जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां उसे पोस्टमार्टम के लिए मर्चुरी में रखवाया गया। हादसे की खबर मिलते ही मृतक के परिजनों को सूचना दी गई, जिसके बाद परिवार में मातम छा गया।

पुलिस के अनुसार मृतक की पहचान रामनाथ यादव, निवासी ग्राम रामनाथ पिपरिया, थाना तेजगढ़, जिला दमोह के रूप में हुई है। बताया जाता है कि रामनाथ किसी काम से दमोह की ओर आ रहा था, तभी रास्ते में यह भीषण दुर्घटना हो गई। स्थानीय लोगों का कहना है कि सड़क पर पर्याप्त रोशनी नहीं होने और वाहनों की तेज रफ्तार इस हादसे की बड़ी वजह रही।

घटना के बाद सड़क पर कुछ समय के लिए यातायात भी बाधित हो गया था। राहगीरों ने बताया कि मोटरसाइकिल पूरी तरह जलकर खाक हो गई थी। आग की लपटें इतनी तेज थीं कि कुछ देर तक कोई भी पास नहीं जा पा रहा था। बाद में स्थानीय लोगों की मदद से आग पर काबू पाया गया।

उल्लेखनीय है कि दमोह-जबलपुर मार्ग पर लगातार बढ़ते हादसे अब चिंता का विषय बन गए हैं।

जबलपुर में शोरूम के अंदर युवक पर बेसबॉल से हमला, व्यापारी से भी मारपीट

जबलपुर, एजेंसी। प्रदेश की संस्कारधानी जबलपुर के गढ़ा थाना क्षेत्र में बीती रात एक सनसनीखेज घटना ने शहर की कानून व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। आनंद कुंज तिराहे स्थित हम लोग नामक कपड़े के शोरूम में कुछ बदमाशों ने घुसकर पहले एक युवक को बाहर निकाला और फिर सरेआम बेसबॉल के डंडे से उसकी बेरहमी से पिटाई कर दी। इस दौरान आरोपियों ने शोरूम के संचालक और उनके बेटे के साथ भी मारपीट की तथा अंदर तोड़फोड़ मचाई। घटना के बाद क्षेत्र में दहशत का माहौल है।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, शुक्रवार देर रात एक युवक अपनी जान बचाने के लिए भागते हुए हम लोग शोरूम के अंदर घुस गया। तभी उसके पीछे-पीछे तीन से चार युवक हाथों में बेसबॉल का बैट लिए वहां पहुंच गए। उन्होंने बिना कुछ सोचे-समझे शोरूम के अंदर प्रवेश किया और युवक को खींचकर बाहर ले गए। इसके बाद सभी ने मिलकर बेसबॉल के बैट से उस पर हमला किया। जब शोरूम संचालक सुधीर नायक और उनका बेटा साहिल नायक बीच-बचाव करने आए तो आरोपितों ने उनके साथ भी धक्का-मुक्की और मारपीट की।

सुधीर नायक ने बताया कि बदमाशों ने दुकान के अंदर जमकर उत्पात मचाया, यहां तक कि कांच की बोतलें फोड़ दीं और दुकान में अफरा-तफरी मच गई। घटना के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। घायल युवक को आसपास मौजूद लोगों ने किसी तरह बचाया। पूरी घटना शोरूम में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है, जिसमें हमलावरों की करतूत साफ दिखाई दे रही है।

घटना के तुरंत बाद शोरूम संचालक सुधीर नायक गढ़ा थाना पहुंचे और पुलिस को पूरी जानकारी दी। लेकिन वहां मौजूद पुलिसकर्मियों ने तत्काल एफआईआर दर्ज करने के बजाय सिर्फ आवेदन देने की बात कही। शिकायतकर्ता के मुताबिक, वे आवेदन देकर वापस आ गए। देर रात जब स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने इस मामले में हस्तक्षेप किया, तब जाकर थाना प्रभारी ने स्टाफ को फोन कर मामला दर्ज करने के निर्देश दिए। इसके बाद रात में ही एफआईआर दर्ज की गई।

इस पूरी घटना ने न केवल शहर के लोगों में असुरक्षा की भावना बढ़ा दी है, बल्कि पुलिस की कार्यप्रणाली पर भी कई प्रश्नचिह्न लगा दिए हैं। शहरवासियों का कहना है कि यदि किसी व्यापारी के शोरूम के अंदर घुसकर बदमाश खुलेआम हमला करते हैं और पुलिस तुरंत कार्रवाई नहीं करती, तो आम नागरिक खुद को कैसे सुरक्षित महसूस करेगा। घटना को लेकर स्थानीय व्यापारियों का कहना है कि पिछ्ले कुछ महीनों में गढ़ा क्षेत्र में आपराधिक घटनाओं में लगातार बढ़ोतरी हुई है। देर रात होने वाली वारदातें और पुलिस का सुस्त रवैया आम बात बनती जा रही है। वहीं, सीसीटीवी फुटेज सामने आने के बाद भी पुलिस की धीमी कार्रवाई ने लोगों में रोष पैदा कर दिया है।

जनता और व्यापारी वर्ग का कहना है कि अपराधियों का इतना बेखौफ होना इस बात का प्रमाण है कि उन्हें कानून का कोई भय नहीं रह गया है। अगर पुलिस समय पर सख्ती दिखाए और ऐसे मामलों में तत्काल कार्रवाई करे, तो शायद अपराधी इस तरह की दुस्साहसिक हरकत करने से पहले दस बार सोचें।

गौरतलब है कि जबलपुर पुलिस अधीक्षक सम्पत उपाध्याय ने सभी थाना प्रभारियों को पहले ही यह स्पष्ट निर्देश दिए थे कि किसी भी आपराधिक

घटना पर तुरंत संज्ञान लिया जाए और अपराध पर अंकुश लगाने के लिए सख्त कार्रवाई की जाए। लेकिन गढ़ा थाने की यह घटना इन निर्देशों की धज्जियां उड़ाती नजर आती है।

जबलपुर में महिला की करंट लगने से मौत

ग्रामीणों ने जबलपुर-निवास रोड पर किया हंगामा, बिजली विभाग पर लापरवाही का आरोप

जबलपुर, एजेंसी। जबलपुर के बम्हनी गांव में खुले पड़े बिजली के तार की चपेट में आने से एक ग्रामीण महिला की मौत हो गई। हादसे के बाद ग्रामीणों ने शव को सड़क पर रखकर जबलपुर-निवास रोड पर प्रदर्शन किया। सूचना मिलते ही पुलिस और बिजली विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंचे और स्थिति को संभालने में जुट गए। जानकारी के मुताबिक, ग्राम बम्हनी निवासी 52 वर्षीय शांति बाई गुरुवार सुबह करीब 11 बजे शौच के लिए गांव से बाहर जा रही थीं। जैसे ही वह ट्रांसफार्मर के पास पहुंचीं, उसका पैर जमीन पर पड़े खुले बिजली के तार पर पड़ गया। करंट लगते ही शांति बाई मौके पर ही अचेत होकर गिर पड़ीं। कुछ देर बाद जब राहगीरों ने उन्हें देखा तो तुरंत बरेला स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना से गुस्साए ग्रामीणों ने बिजली विभाग पर गंभीर लापरवाही का आरोप लगाते हुए शव को सड़क पर रखकर जबलपुर-निवास रोड पर प्रदर्शन किया। बड़ी संख्या में ग्रामीण एकत्र होकर दोषी कर्मचारियों पर कार्रवाई की मांग करने लगे।

मध्य प्रदेश में बदला मौसम, दक्षिण में बने सिस्टम से 12 जिलों में बरसे बादल

अगले चार दिन तक रहेगा असर

भोपाल, एजेंसी। दक्षिण-पूर्वी अरब सागर में सक्रिय निम्न दबाव क्षेत्र (लो-प्रेशर एरिया) का असर अब मध्य प्रदेश तक पहुंच गया है। इसके चलते बीते 24 घंटों में ग्वालियर, जबलपुर समेत 12 जिलों में हल्की बारिश और गरज-चमक दर्ज की गई है। मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि प्रदेश के कई हिस्सों में अगले चार दिनों तक बादल, बूंदाबांदी और गरज-चमक का दौर जारी रह सकता है।

मौसम विभाग के अनुसार, यह सिस्टम पूर्व दिशा की ओर आगे बढ़ रहा है, जिसके प्रभाव से प्रदेश के दक्षिणी और पूर्वी हिस्सों में नमी और अस्थिरता बनी हुई है। साथ ही, उत्तर भारत में सक्रिय दो साइक्लोनिक सर्कुलेशन और एक वेस्टर्न डिस्टर्बेंस भी मौसम को प्रभावित कर रहे हैं। अगले 4 दिन तक सिस्टम का दक्षिणी जिलों में असर रहेगा। आज गुरुवार को बड़वानी, खरगोन, खंडवा, बुरहानपुर, बैतूल, पांढुर्णा और बालाघाट में बूंदाबांदी, आंधी और गरज-चमक की संभावना है। जबकि 24 से 26 अक्टूबर तक इंदौर, नर्मदापुरम और जबलपुर संभाग में इसका असर दिखेगा। वहीं, पिछले 24 घंटे में कुछ जिलों में बारिश दर्ज की गई। ग्वालियर, सागर, छतरपुर, नर्मदापुरम, हरदा, बुरहानपुर, रायसेन, बैतूल, जबलपुर, सिवनी, रीवा और छिंदवाड़ा में हल्की बारिश हुई।

साहिल की आत्महत्या पर मानव अधिकार आयोग सख्त, मप्र सरकार से मांगी रिपोर्ट

निवाड़ी, एजेंसी। साहिल अब नहीं रहा। उसका परिवार सदमे में है, गाँव में मातम पसरा है। पिता की आँखों में आज भी यह सवाल है; अगर स्कूल ने बेटे की गलती को माफ कर दिया होता, तो क्या वह जिंदा होता

दरअसल, मध्य प्रदेश के निवाड़ी जिले के पृथ्वीपुर नगर में घटित एक दर्दनाक घटना ने प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था, निजी स्कूलों की अनुशासन नीति और बाल-अधिकारों की संवेदनशीलता पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। महज 14 वर्ष का छात्र साहिल यादव जो अल्फोंसा (चर्च, मिशनरी) हाई स्कूल, पृथ्वीपुर में कक्षा 10 का विद्यार्थी था, पटाखा जलाने की मामूली गलती के बाद स्कूल से निलंबित (सस्पेंड) कर दिया गया। कुछ ही दिनों में वह मानसिक दबाव, शर्म और अपमान के बोझ तले ऐसा टूट गया कि 13 अक्टूबर को उसने आत्महत्या कर ली। अब इस पूरे मामले को राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने गंभीरता से लिया है और राज्य शासन को विस्तृत जांच रिपोर्ट दो सप्ताह में प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं।

आयोग ने इस घटना को मानव अधिकारों के प्रथम दृष्टया उल्लंघन के रूप में स्वीकार करते हुए इसे मानव अधिकार संरक्षण अधिनियम, 1993 की धारा 12 के अंतर्गत संज्ञान में लिया है। इस संबंध में राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग सदस्य प्रियंक कानूनगो के माध्यम से जारी पत्र में स्पष्ट रूप से

कहा गया है कि यह मामला 14 वर्षीय छात्र साहिल यादव की आत्महत्या से जुड़ा है। आयोग के समक्ष यह शिकायत 16 अक्टूबर को प्रस्तुत की गई थी, जिसमें छात्र के पिता रामकुमार यादव ने आरोप लगाया कि उनके पुत्र को स्कूल के फादर व प्रबंधन ने शारीरिक और मानसिक रूप से प्रताड़ित किया।

आयोग ने आदेश दिया है कि जिला मजिस्ट्रेट (डीएम) और पुलिस अधीक्षक (एसपी), निवाड़ी को निर्देशित किया जाता है कि वे शिकायत में लगाए गए आरोपों की निष्पक्ष जांच कराएं और दो सप्ताह के भीतर विस्तृत 'विस्तृत जांच रिपोर्ट (एटीआर)' आयोग को भेजें। इस नोटिस की प्रति मध्यप्रदेश शासन, शिक्षा विभाग और पृथ्वीपुर थाना पुलिस को भी भेजी गई है। आयोग ने यह भी कहा कि रिपोर्ट की एक प्रति ईमेल के माध्यम से bench-mpk@gov.in पर भी भेजी जाए।

उल्लेखनीय है कि मामले की शुरुआत चार अक्टूबर 2025 को हुई, जब साहिल यादव ने स्कूल की कक्षा में मजाक में एक छोटा पटाखा फोड़ दिया। स्कूल प्रबंधन ने इसे गंभीर अनुशासनहीनता मानते हुए तुरंत कार्रवाई की और छात्र को 15 दिनों के लिए निलंबित (सस्पेंड) कर दिया। साहिल ने अपनी गलती स्वीकार कर ली थी, और उसके पिता रामकुमार यादव ने स्कूल जाकर माफी मांगी। उन्होंने फादर से हाथ जोड़कर विनती की कि बेटे को माफ कर दिया जाए, क्योंकि वह बोर्ड परीक्षा की तैयारी में है, लेकिन स्कूल प्रबंधन अपनी बात पर अड़ा रहा और किसी प्रकार की रियायत देने से इनकार कर दिया।

रामकुमार बताते हैं, मैंने बहुत हाथ जोड़े, कहा कि गलती हो गई है, आगे ऐसा नहीं होगा। लेकिन उन्होंने बेटे को 15 दिन के लिए निकाल दिया। बेटे का चेहरा उतर गया था, वह गुमसुम रहने लगा था। उसी रात वह खेत गया और वापस नहीं लौटा। बाद में गांव के बाहर एक पेड़ पर उसका शव लटका मिला।

इस दर्दनाक घटना के बाद पुलिस ने पंचनामा और पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी कर मर्ग कायम किया। जांच के बाद पृथ्वीपुर थाना पुलिस ने अल्फोंसा स्कूल के संचालक फादर रॉबिन पर बीएनएस धारा 107 के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस विवेचना में पाया गया कि फादर द्वारा छात्र को मानसिक रूप से प्रताड़ित किया गया था, जिसके कारण उसने आत्महत्या जैसा कदम उठाया। साहिल की आत्महत्या के बाद निवाड़ी जिले में छात्र संगठनों और सामाजिक समूहों में आक्रोश फैल गया।

ऑस्ट्रेलिया ने दूसरे वनडे में भारत को दो विकेट से हराया, श्रृंखला में 2-0 की अजेय बढ़त

एडिलेड, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया ने अपनी मिडिल ऑर्डर बल्लेबाजी की दम पर भारत को गुरुवार को दूसरे वनडे मैच में दो विकेट से हराकर तीन मैचों की श्रृंखला में 2-0 की अजेय बढ़त बना ली। मैट शॉर्ट ने अपने बिग बैश के घरेलू मैदान पर शानदार बल्लेबाजी करते हुए 74 रनों की पारी खेली, जबकि कूपर कॉनॉली (61 नाबाद) ने अपने वनडे करियर का पहला अर्धशतक जमाया और टीम को जीत तक पहुंचाया। मिचेल ओवेन ने भी 36 रन की तेजतर्रार पारी खेलकर लक्ष्य को आसान बनाया।

इससे पहले भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवर में नौ विकेट पर 264 रन बनाए। रोहित शर्मा ने 73 और श्रेयस अय्यर ने 61 रनों की अहम पारियां खेलीं। हालांकि ज़ेवियर बार्टलेट (3/39) ने शानदार गेंदबाजी करते हुए एक ही ओवर में दो विकेट झटके, जिनमें विराट कोहली का शून्य पर आउट होना शामिल था। इसके बाद एडम जैम्पा (4/60) ने भारतीय मिडिल ऑर्डर को झकझोर दिया। हरषित राणा और अर्शदीप सिंह की साझेदारी ने टीम को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया।

लक्ष्य का पीछा करते हुए ऑस्ट्रेलिया को भी बीच में मुश्किलें आईं। 27 ओवर में 132 पर चार विकेट गिरने के बाद भारत ने मुकाबले को रोमांचक बना दिया था, लेकिन शॉर्ट, कॉनॉली और ओवेन ने संयम से बल्लेबाजी करते हुए टीम को जीत तक पहुंचा दिया, हालांकि अंत में कुछ विकेट तेजी से गिरे। श्रृंखला का तीसरा और अंतिम वनडे मुकाबला शनिवार को सिडनी में खेला जाएगा। इसके बाद दोनों टीमों के बीच पांच मैचों की टी20 श्रृंखला खेली जाएगी।

रंजन सोढ़ी बर्थडे - बचपन के शौक को बनाया करियर, विश्व कप में देश को दिलाया स्वर्ण पदक

नई दिल्ली, एजेंसी। देश में अन्य खेलों के साथ ही निशानेबाजी भी तेजी से लोकप्रिय हो रही है। इस खेल को लोकप्रिय बनाने में जिन निशानेबाजों का अहम योगदान रहा है, उनमें रंजन सोढ़ी का नाम प्रमुख है। निशानेबाजी में रंजन राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर देश का नाम रोशन कर चुके हैं।रंजन सोढ़ी का जन्म 23 अक्टूबर 1979 को पंजाब के फिरोजपुर जिले में एक साधारण परिवार में हुआ था। उन्हें बचपन से ही बंदूक से निशाना लगाना बेहद पसंद था और यही वजह रही कि उन्होंने अपने शौक को करियर में बदल दिया। मेहनत, अनुशासन और जुनून के दम पर उन्होंने डबल ट्रैप शूटिंग में महारत हासिल की, जो बेहद चुनौतीपूर्ण होता है। डबल ट्रैप शूटिंग में निशानेबाज को दो उड़ते हुए मिट्टी के बर्तनों को एक साथ भेदना पड़ता है। फिरोजपुर के क्लबों से अपने करियर की शुरुआत करने वाले रंजन सोढ़ी 2000 के दशक की शुरुआत में राष्ट्रीय चैंपियन बन गए थे। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर उन्हें 2010 में पहचान मिली। इस साल इटली के लोनाटो में आयोजित आईएसएसएफ वर्ल्ड कप में उन्होंने डबल ट्रैप इवेंट में परफेक्ट 50/50 का विश्व रिकॉर्ड बनाते हुए स्वर्ण पदक जीता। उसी वर्ष नई दिल्ली में हुए कॉमनवेल्थ गेम्स में उन्होंने दो रजत पदक जीते। एक रजत व्यक्तिगत डबल ट्रैप में तो दूसरा टीम इवेंट में। गुजरात के गुडाऊ में आयोजित 2010 में आयोजित एशियन गेम्स में उन्होंने 186 अंकों के साथ स्वर्ण पदक जीतकर भारत को गौरवान्वित किया। 2011 में बीजिंग में हुए निशानेबाजी विश्व कप में उन्होंने रजत पदक जीतकर ओलंपिक में जगह निश्चित की। हालांकि, 2012 ओलंपिक में फाइनल दौड़ में जगह नहीं बना सके।

निशानेबाजी में रंजन सोढ़ी के योगदान के लिए भारत सरकार ने उन्हें अर्जुन पुरस्कार (2009 में) और खेल रत्न पुरस्कार (2013 में) से सम्मानित किया है। खेल रत्न पुरस्कार पाने वाले रंजन सोढ़ी सातवें निशानेबाज हैं। रंजन सोढ़ी युवा निशानेबाजों के आदर्श हैं। सोढ़ी कोचिंग के क्षेत्र में सक्रिय हैं, साथ ही शूटिंग लीग ऑफ इंडिया को बढ़ावा दे रहे हैं।

भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया- वनडे फॉर्मेट में रोहित शर्मा ने तोड़ा गांगुली का रिकॉर्ड

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के दिग्गज बल्लेबाज रोहित शर्मा ने बतौर ओपनर वनडे फॉर्मेट में सर्वाधिक रन बनाने के मामले में पूर्व कप्तान सौरव गांगुली को पछाड़ दिया है। भारतीय खिलाड़ियों में अब रोहित से आगे सिर्फ सचिन तेंदुलकर हैं।गुरुवार को खबर लिखे जाने तक रोहित शर्मा 186 वनडे पारियों में 9,171 रन बना चुके हैं, जबकि सौरव गांगुली ने 236 पारियों में सलामी बल्लेबाज के तौर पर 9,146 रन बनाए थे। इसी के साथ रोहित शर्मा वैश्विक स्तर पर पांचवें स्थान पर पहुंच गए हैं। सचिन तेंदुलकर इस लिस्ट में शीर्ष पर हैं। तेंदुलकर ने 340 पारियों में 15,310 रन बनाए, जबकि सनथ जयसूर्या 383 पारियों में 12,740 रन बनाकर इस लिस्ट में दूसरे पायदान पर हैं।

तीसरे स्थान पर मौजूद क्रिस गेल ने सलामी बल्लेबाज के तौर पर 274 पारियों में 10,179 रन बनाए। वहीं, एडम गिलक्रिस्ट 259 पारियों में 9,200 रन के साथ चौथे स्थान पर हैं।

रोहित शर्मा लंबे वक्त बाद भारत की ओर से सीरीज खेल रहे हैं। इस सीरीज से पहले रोहित मार्च 2025 में चैंपियंस ट्रॉफी का फाइनल खेलते नजर आए थे। ऑस्ट्रेलिया दौरे पर सीरीज के पहले मैच में रोहित 14 गेंदों में महज 8 रन बनाकर आउट हुए थे।

रोहित ने पिछली बार वनडे फॉर्मेट में 9 फरवरी 2025 को शतक लगाया था। उन्होंने कटक में इंग्लैंड के खिलाफ 119 रन की पारी खेली थी। इसके बाद रोहित ने चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में 76 रन की पारी खेली थी।

टीम इंडिया एडिलेड में %करो या मरो% के मुकाबले में उतरी है। भारतीय टीम पर्थ में खेले गए सीरीज के पहले मैच को गंवा चुकी है। ऐसे में सीरीज बचाने के लिए भारतीय टीम को हर हाल में इस मुकाबले को जीतना होगा। एडिलेड में भारत का रिकॉर्ड शानदार रहा है। टीम इंडिया ने यहां कुल 15 वनडे मैच खेले, जिसमें 9 मुकाबले अपने नाम किए, जबकि पांच मुकाबलों में उसे हार का सामना करना पड़ा। एक मैच टाई भी रहा है।

ऑप्शनल ट्रेनिंग सेशन में रोहित शर्मा ने बहाया पसीना, नहीं आए विराट कोहली

एडिलेड, एजेंसी। भारत-ऑस्ट्रेलिया के बीच 23 अक्टूबर को एडिलेड ओवल में वनडे सीरीज का दूसरा मुकाबला खेला जाना है, जिससे पहले विराट कोहली, उप-कप्तान श्रेयस अय्यर और कप्तान शुभमन गिल ने टीम के दूसरे ट्रेनिंग सेशन में शामिल नहीं होने का फैसला किया।भारत के शीर्ष खिलाड़ियों को नेट्स पर अभ्यास करते देखने के लिए फैंस की काफी भीड़ मौजूद थी, लेकिन इन स्टार खिलाड़ियों ने वैकल्पिक प्रशिक्षण सत्र में हिस्सा नहीं लिया। इस बीच भारत के शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों में से सिर्फ रोहित शर्मा ने ही अभ्यास किया। अनुभवी भारतीय सलामी बल्लेबाज ने कुछ रन बनाए और कुछ थ्रोडाउन का सामना किया। रोहित ने नेट्स पर 15-20 मिनट बिताए, जिसमें अपनी टाइमिंग पर फोकस किया।

केएल राहुल और ध्रुव जुरेल ने भी नेट्स पर बल्लेबाजी की। जुरेल को विकेटकीपिंग का अभ्यास करते भी देखा गया। उल्लेखनीय है कि पर्थ में खेले गए पहले वनडे मैच में कोहली शून्य पर आउट हो गए थे, जबकि गिल ने 18 गेंदों में सिर्फ 10 रन बनाए। अय्यर भी बारिश से प्रभावित इस मैच में संघर्ष करते दिखे और 24 गेंदों का सामना करते हुए केवल 11 रन ही बना सके। इस सत्र के दौरान टीम इंडिया ने गेंदबाजों और उनके गेंदबाजी अभ्यास पर मुख्य रूप से ध्यान केंद्रित किया। गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल भी तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज के साथ सीम पोजीशन पर गहन चर्चा करते नजर आए।

सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा ने नेट्स पर गेंदबाजी करते हुए गुड लेंथ क्षेत्र में कुछ मार्कर भी लगाए। पर्थ में वनडे डेब्यू करते हुए बल्ले से शानदार फॉर्म में नजर आने वाले नीतीश रेड्डी ने दूसरे ट्रेनिंग सेशन में अपनी गेंदबाजी पर फोकस किया। इस बीच कुलदीप यादव और यशस्वी जायसवाल भी नेट्स पर पसीना बहाते दिखे। भारतीय टीम पर्थ में खेले गए पहले वनडे मैच को गंवाकर सीरीज में 0-1 से पीछे है। ऐसे में मेहमान टीम आगामी मुकाबले को जीतकर सीरीज में बराबरी करना चाहेगी।

चैंपियंस लीग में हुई गोल की बरसात, PSG और बार्सिलोना की बड़ी जीत

मैनचेस्टर, एजेंसी। चैंपियंस लीग में मंगलवार की रात को गोल की जबरदस्त बरसात देखने को मिली। पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) ने सात, बार्सिलोना ने छह और एर्लिंग हालैंड ने सत्र का अपना 24वां गोल किया। कुल मिलाकर नौ मैच में 43 गोल हुए, जिनमें से छह टीमों ने चार या उससे अधिक गोल किए। PSV आइंडहोवन ने इतालवी चैंपियन नेपोली को 6-2 से हराया, जबकि आर्सेनल और इंटर मिलान ने भी बड़ी जीत हासिल कर यूरोप के इस सबसे बड़े क्लब फुटबॉल टूर्नामेंट में अपना अच्छा प्रदर्शन जारी रखा। लेकिन गत विजेता पीएसजी बायर लेवरकुसेन के खिलाफ 7-2 से जीत के बाद शीर्ष पर है। इस मैच में दोनों टीमें पहले हाफ में 10 खिलाड़ियों तक सिमट गई थीं। PSG कि यह तीन मैच में तीसरी जीत है।

बार्सिलोना की 6-1 की ओलंपियाकोस के खिलाफ जीत ने उसे महीने की शुरुआत में पीएसजी से मिली हार से उबरने में मदद की। बार्सिलोना की तरफ से फर्मिन लोपेज ने हैट्रिक बनाई और मार्कस रशफोर्ड ने दो गोल दागे। यह लोपेज़ के करियर की पहली हैट्रिक थी। लामिने यामल ने भी एक गोल किया। प्रीमियर लीग में शीर्ष पर चल रहे आर्सेनल ने एटलेटिको मैड्रिड को 4-0 से हराया, जिसमें विक्टर ग्योकेरेस ने दो गोल किए। एक अन्य मैच में हालैंड के गोल की मदद से मैनचेस्टर सिटी ने विलारियल पर 2-0 से जीत हासिल की। हार्वे बार्न्स ने न्यूकैसल की बेनफिका के खिलाफ 3-0 की जीत में दो गोल किए तथा बोरूसिया डॉर्टमंड ने कोपेनहेगन पर 4-2 से जीत हासिल की।

शीर्ष क्रम का स्ट्राइक रेट चिंता का विषय नहीं लेकिन अगले मुकाबलों में बड़े स्कोर की उम्मीद : मजूमदार

मुंबई, एजेंसी। मुख्य कोच अमोल मजूमदार ने बुधवार को आलोचनाओं से घिरी भारतीय बल्लेबाजों का समर्थन करते हुए कहा कि उन्हें बल्लेबाजों से बड़ी पारी की उम्मीद है। बल्लेबाजों के खराब प्रदर्शन के कारण भारतीय टीम महिला विश्व कप के सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए जूझ रही है। भारत को अंतिम चार में पहुंचने के लिए न्यूजीलैंड पर जीत की जरूरत है लेकिन इसके लिए मेजबान टीम को बृहस्पतिवार को यहां अपने बल्लेबाजों से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद होगी।

मौजूदा टूर्नामेंट में भारतीय बल्लेबाजों को पहले शतक का इंतजार है जबकि सलामी बल्लेबाज प्रतिका रावल (70.99) और हरलीन देओल (75.11) के स्ट्राइक रेट ने भी शीर्ष क्रम की धीमी बल्लेबाजी की समस्या को उजागर किया है। अच्छी शुरुआत को बड़ी पारी में बदलने के बारे में पूछे जाने पर मजूमदार ने जवाब दिया, 'हम अच्छी तरह जानते हैं कि इस विश्व कप में तीन अंक का आंकड़ा नहीं छू पाए हैं।

उन्होंने न्यूजीलैंड के खिलाफ मैच की पूर्व संध्या पर कहा, 'अगर आप पिछले डेढ़ साल, यानी विश्व कप से पूर्व 18 महीनों पर नजर डालें तो मुझे लगता है कि हमने पहले से कहीं अधिक शतक लगाए हैं। हां, तिहरे अंक तक नहीं पहुंचे हैं (मौजूदा विश्व कप में)।% मजूमदार ने हालांकि इस बात को खारिज कर दिया कि व्यक्तिगत बड़े स्कोर नहीं बनने के कारण भारतीय बल्लेबाज दबाव में हैं। उन्होंने कहा, 'मुझे नहीं लगता कि किसी पर अधिक दबाव है। हमने इस बारे में ईमानदारी से चर्चा की है और खिलाड़ी भी ईमानदार रहे हैं कि हम अर्धशतक की बजाय उसे शतक में बदल सकते थे। वे इस बात से वाकिफ हैं और मुझे उम्मीद है कि अगले कुछ मैच में ऐसा होगा।

मजूमदार ने प्रतियोगिता में प्रतिका और हरलीन के 80 से कम के स्ट्राइक रेट को अधिक तूल नहीं दिया। इन दोनों ने मिलकर 10 पारियों में सिर्फ एक अर्धशतक बनाया है। उन्होंने कहा, 'अगर आप पिछले साल दिसंबर में प्रतिका रावल के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण के बाद से उनकी प्रगति पर नजर डालें तो उनका औसत लगभग 50 (47.04) है और उनका स्ट्राइक रेट लगभग 82-83 (81.92) है। मजूमदार ने कहा, 'मुझे लगता है कि यह शानदार है और हम चाहेंगे कि वह इसी तरह बल्लेबाजी करती रहें। पूरी टीम उनके और हरलीन के साथ है। मुझे नहीं लगता कि इस विषय पर कोई चर्चा हुई है। टीम की परेशानियों के बावजूद मजूमदार ने कहा कि कप्तान हरमनप्रीत कौर स्थिति को अच्छी तरह से संभाल रही हैं। उन्होंने कहा, 'घरेलू विश्व कप में थोड़ा दबाव तो होता ही है लेकिन यह टीम इससे निपटने के लिए पूरी तरह तैयार है। मजूमदार ने कहा, 'हमारे पास कुछ अनुभवी खिलाड़ियों के साथ-साथ कुछ युवा खिलाड़ियों को भी मौका देने की आजादी है।

चैंपियंस लीग - रियल मैड्रिड, लिवरपूल और चेल्सी ने दर्ज की जीत

मैड्रिड, एजेंसी। रियल मैड्रिड ने जुवेंटस को 1–0 से हराकर चैंपियंस लीग अभियान में अपनी शानदार शुरुआत जारी रखी है।इस टीम ने तीन मुकाबलों में नौ अंक हासिल कर लिए हैं।मुकाबले के पहले हाफ में मैड्रिड ने दबदबा बनाए रखा, लेकिन कोई गोल नहीं हो सका। मैड्रिड को सबसे शानदार मौका हाफ–टाइम के दौरान मिला। किलियन एम्बाप्पे ने ब्राहिम के प्रभावशाली पास को अपने पास लिया और बॉक्स के अंदर से बाएं पैर से एक शक्तिशाली ड्राइव लगाई, लेकिन डि ग्रेगोरियो के शानदार रिएक्शन स्टॉप ने 40वें मिनट में फ्रांसीसी खिलाड़ी को गोल करने से रोक दिया।ब्रेक के बाद गतिरोध तोड़ते हुए जूड बेलिंगहैम ने 57वें मिनट में गोल दागकर रियल मैड्रिड को 1–0 से बढ़त दिला दी।

एक अन्य मैच में लिवरपूल ने पहले हाफ के 10 मिनट में तीन गोल दागकर फ्रैंकफर्ट पर 5–1 से जीत दर्ज की। रेड्स ने ड्यूश बैंक पार्क में पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए चार मैचों की हार का सिलसिला तोड़ा और इस सीजन के लीग चरण में अपनी दूसरी जीत दर्ज की।

रासमस क्रिस्टेंसन ने 26वें मिनट में मुकाबले का पहला गोल दागा, जिसके बाद ह्यूगो एकिटिके ने शानदार गोल के साथ स्कोर 1–1 से बराबर कर दिया। इसके बाद वर्जिल वैन डाइक (39) और इब्राहिमा कोनाटे (44) ने पहले हाफ में कॉर्नर से गोल करके मैच का रुख पलट दिया। लिवरपूल इस मैच में 3–1 से आगे थी।

दूसरे हाफ में कोडी गाकपो (66) और डोमिनिक सोबोस्जलाई (70) के गोलों ने आर्ने स्लॉट की टीम की जीत सुनिश्चित कर दी।

दूसरी ओर, चेल्सी ने अजाक्स को 5–1 से शिकस्त दी। 18वें मिनट मार्क गुइयू ने गोल दागकर मैच का खाता खोला। इसके बाद मोइसेस कैसेडो 27वें मिनट गोल किया।

33वें मिनट बाद अजाक्स के वाउट वेघोर्स्ट ने पेनाल्टी स्पॉट से गोल करते हुए चेल्सी की बढ़त को कम कर

दिया, लेकिन हाफ–टाइम से ठीक पहले चेल्सी 4–1 से आगे थी।स्थानापन्न टायरिक जॉर्ज ने हाफ टाइम के तुरंत बाद (48वें मिनट) गोल दागकर टीम को 5–1 की लीड दिला दी।

चंडीगढ़ के कोचिंग मास्टरस्ट्रोक ने फिलीपींस को एएफसी अंडर-17 महिला एशियाई कप में पहुंचाया

चंडीगढ़, एजेंसी। भारतीय फुटबॉल के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि दर्ज हुई है। मिनर्वा एकेडमी से जुड़े भारतीय कोच प्रद्युम रेड्डी और सुरिंदर सिंह की कोचिंग में फिलीपींस की अंडर-17 महिला राष्ट्रीय टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए एएफसी अंडर-17 महिला एशियन कप के लिए क्वालीफाई कर लिया है।टीम ने क्वालिफिकेशन चरण में दमदार प्रदर्शन करते हुए सीरिया को 5ङ्क0, ताजिकिस्तान को 2ङ्क0 और मलेशिया को 4ङ्क0 से हराया। इन जीतों ने न केवल दक्षिण-पूर्व एशियाई फुटबॉल में नया इतिहास रचा, बल्कि भारतीय कोचिंग की क्षमता को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्थापित किया। यह पहला मौका है जब भारतीय कोचों के नेतृत्व में किसी विदेशी राष्ट्रीय टीम ने एशियाई महाद्वीपीय टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई किया है।

यह सफलता मिनर्वा एकेडमी (भारत) और मकाती फुटबॉल क्लब (फिलीपींस) के बीच साझेदारी का परिणाम है। फिलीपींस टीम के मैनेजर होसे लुइस ÷सेलू÷ लोज़ानो ने मिनर्वा की कोचिंग फिलॉसफी और अनुशासनात्मक प्रणाली से प्रभावित होकर इस सहयोग की शुरुआत की। मिनर्वा एकेडमी के संस्थापक रंजीत बाजाज की सिफारिश पर लोज़ानो ने प्रो-लाइसेंसधारी कोच सुरिंदर सिंह और प्रद्युम रेड्डी को टीम की कमान सौंपी।

भारतीय कोचों के नेतृत्व में फिलीपींस टीम ने मैदान पर शानदार बदलाव दिखाया – सटीक डिफेंस, संगठित खेल और धारदार अटैक के साथ यह टीम पूरी तरह बदली हुई नजर आई।

मिनर्वा एकेडमी, जो पहले ही गॉथिया कप (स्वीडन), डैना कप (डेनमार्क) और नॉर्वे कप (ओस्लो) जैसे विश्वस्तरीय युवा टूर्नामेंट जीत चुकी है, अब अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में अपनी कोचिंग फिलॉसफी को निर्यात करने में भी सफल रही है।

मिनर्वा के संस्थापक रंजीत बाजाज ने कहा, ÷यह केवल एक क्वालिफिकेशन नहीं है, बल्कि यह प्रमाण है कि भारतीय कोचिंग अब विश्व स्तर पर नेतृत्व और प्रेरणा देने में सक्षम है। हमारा सिद्धांत – अनुशासन, विकास और दृढ़ता – अब सीमाओं से परे गूंज रहा है।

फिलीपींस टीम अब एएफसी अंडर-17 महिला एशियन कप की तैयारी में जुटी है, और यह पल भारत के लिए गर्व का क्षण बन गया है – यह साबित करते हुए कि भारतीय फुटबॉल की सोच, रणनीति और कोचिंग अब एशिया ही नहीं, बल्कि दुनिया में अपनी छाप छोड़ रही है।

मजदूरों के परिजनों ने पुलिस से 18 मजदूरों को बंधक बनाकर काम कराये जाने की शिकायत

बीजापुर, एजेंसी। जिले के 18 मजदूरों को कर्नाटक में बंधक बनाकर जबरन काम कराये जाने की शिकायत आज गुरूवार को बीजापुर सिटी कोतवाली में करते हुए सख्त धाराओं में एफआईआर दर्ज करने की मांग की है। मजदूरों के परिजनों ने बीजापुर पुलिस के समक्ष आवेदन देकर बताया कि दलालों ने उन्हें धोखे से बंधक बनाया है और उनसे जबरन काम कराया जा रहा है।

परिजनों ने शिकायत में बताया कि जब भी मजदूर अपने गृह राज्य छत्तीसगढ़ लौटने की बात करते हैं, तो ठेकेदार उनके साथ मारपीट करता है और उन्हें धमकाता है। उन्हें उनकी मजदूरी भी नहीं दी जा रही है और उनका लगातार उत्पीड़न किया जा रहा है। बंधक बनाए गए मजदूरों में मनोज ताती, दिनेश ताती, रमेश ताती, अर्जुन ताती, बोज्जा ताती, राजू ताती, चैतू ताती, रानी हपका, मनीला हेमला, चिन्ना ताती, राजू लेकाम, मरीना मीडियम, मरीना तेलम, मंजू लेकाम, मीना अवलम, दीपिका हेमला, ज्योति हपका, निर्मला ताती, संजय ताती, अनीता ताती, रामकृष्ण ताती, लखन ताती और मुनिता ताती शामिल हैं।

परिजनों के अनुसार ग्राम पंचायत कड़ेनार (सिलगापारा) के 11 और ग्राम पंचायत कैका (गुमला) के 7 मजदूरों को 8 अगस्त 2025 को तेलंगाना के करीमनगर जिले में ईंट भट्टे पर काम के लिए ले जाया गया था। करीमनगर में एक सप्ताह काम करने के बाद उन्हें महाराष्ट्र के नांदेड़ जिले के निजामाबाद ले जाया गया। इसके बाद दलाल सीनू श्रीनिवास ने इन मजदूरों को कर्नाटक राज्य के बिडगी गांव जानमट्टी भेज दिया। वहां उन्हें बताया गया कि उन्हें पांच लाख रुपये में एक सेठ के यहां मजदूरी करनी है। परिजनों का आरोप है कि मजदूरों को बंधक बनाकर रखा गया है। परिजनों ने सीनू श्रीनिवास और संबंधित व्यक्तियों के खिलाफ सख्त धाराओं में एफआईआर दर्ज करने की मांग की है। उन्होंने प्रशासन से पीड़ित मजदूरों को जल्द से जल्द घर वापस लाने और उनकी मजदूरी दिलाने का भी आग्रह किया है।इस पूरे मामले में बीजापुर कोतवाली थाना प्रभारी दुर्गेश शर्मा ने बताया कि? मामले के तथ्यों की पुष्टि के बाद संबंधित विभाग से समन्वय स्थापित कर विधिसंगत कार्रवाई की जाएगी।

ग्राम पंचायत चंद्रपुर में बिहान की दीदियों ने किया स्वच्छता श्रमदान

सूरजपुर, एजेंसी। स्वच्छता के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से ग्राम पंचायत चंद्रपुर, विकासखंड सूरजपुर में बिहान की दीदियों ने आज गुरुवार को सामूहिक स्वच्छता श्रमदान किया। दीदियों ने खेल मैदान की साफ-सफाई करते हुए ग्रामीणों को स्वच्छता अपनाने और अपने आसपास का परिवेश स्वच्छ रखने के लिए प्रेरित किया।

इस अवसर पर मुख्य कार्यपालन अधिकारी एच.एन. खोटेल, संत सिंह, विकासखंड परियोजना प्रबंधक एनआरएलएम माधुरी भंडारी, विकासखंड समन्वयक एसबीएम अनुजा चौबे, ग्राम पंचायत के सरपंच, सचिव, बिहान की दीदियां और बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने स्वच्छता को दैनिक जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि स्वच्छ ग्राम ही स्वस्थ ग्राम की पहचान है, और इसके लिए सभी का सहयोग जरूरी है। बिहान की दीदियों की इस पहल को ग्रामीणों ने सराहा और अभियान में सक्रिय भागीदारी का संकल्प लिया।

छिंदगढ़ जनपद कार्यालय में आगजनी एक कमरा पूरी तरह जलकर खाक

सुकमा, एजेंसी। जिले के छिंदगढ़ जनपद कार्यालय में बीती रात अचानक भीषण आग लग गई है, इस आगजनी से एक कमरा पूरी तरह से जलकर खाक हो गया है। घटना की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और आग को बुझा दिया है। स्थानीय लोग भी घटना स्थल पर पहुंचकर आग को फैलने से रोकने के लिए अपना योगदान दिया। अभी तक आग लगने के कारणों का पता नहीं चल सका है। घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। छिंदगढ़ जनपद कार्यालय आगजनी से एक कमरा क्या कागजात थे, एवं कितना नुकसान हुआ औ इसका आकलन किया जा रहा है।

कार्रवाई : महुआ शराब के साथ युवक गिरफ्तार हुआ

जशपुरनगर। कोतबा पुलिस ने अवैध शराब के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत कार्रवाई की है। पुलिस ने एक व्यक्ति को 10 लीटर अवैध देसी कच्ची महुआ शराब के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से शराब जब्त कर उसके खिलाफ आबकारी एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस चौकी कोतबा को 19 अक्टूबर को मुखबिर से सूचना मिली थी। सूचना थी कि ग्राम कोतबा के सुखबासु पारा निवासी रोहित कोरवा अपने घर से कच्ची महुआ शराब भरकर बिक्री के लिए निकला है। शराब एक मटमैले रंग की प्लास्टिक की जरकिन में भरी हुई थी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने बताए गए स्थान पर दबिश दी। पुलिस को देखकर आरोपी रोहित कोरवा ने भागने की कोशिश की, लेकिन पुलिस ने घेराबंदी करके उसे हिरासत में ले लिया।

रामानुजगंज में उमड़ा भाई-बहन के स्नेह का सागर परंपराओं के रंग में डूबा रहा भाई दूज का त्योहार

बलरामपुर, एजेंसी। भाई-बहन के प्रेम और अटूट विश्वास का प्रतीक भाई दूज पर्व रामानुजगंज नगर सहित आसपास के गांवों में धार्मिक आस्था और पारंपरिक उल्लास के साथ मनाया गया। सुबह से ही बहनों में अपार उत्साह नजर आया। सूर्योदय के साथ ही उन्होंने स्नान-पूजन कर अपने भाइयों की लंबी आयु, सुख-शांति और समृद्धि की मंगल कामना की। शहर के मोहल्लों और ग्रामीण इलाकों में घरों के आंगन इस अवसर पर रंग-बिरंगे चित्रों से सजाए गए। मिट्टी और गोबर से लीपे आंगनों में यम-यमी की प्रतिमाएं, सर्प-बिच्छू की आकृतियां और शुभ प्रतीक बनाए गए। पूजा-अर्चना के बाद बहनों ने परंपरा के अनुसार इन आकृतियों को प्रतीकात्मक रूप से कूटा, ताकि भाइयों के जीवन से संकट और बुराइयां दूर हों। रामानुजगंज क्षेत्र में भाई दूज की परंपराएं आज भी अपनी मौलिकता बनाए हुए हैं। यहां की बहनें 'रगईनी काटने' की परंपरा निभाती हैं। इस दौरान वे अपनी जीभ पर कांटा चुभाकर भाइयों के जीवन की नकारात्मकता को दूर करने का प्रतीकात्मक संकल्प लेती हैं। यह रस्म भले ही अनोखी हो, पर इसके पीछे भाई की सुरक्षा और दीर्घायु की गहरी भावना निहित रहती है।

पूरे दिन नगर में भाई-बहन के बीच स्नेहभरे दृश्य छाए रहे। बहनों ने भाइयों के माथे पर तिलक लगाकर आरती उतारी और मिठाई खिलाई, वहीं भाइयों ने भी प्रेम और आदर से उपहार देकर बहनों को खुश किया। घर-घर में गीत-संगीत की गूंज रही और हंसी-खुशी का माहौल बना रहा।

उल्लेखनीय है कि, रामानुजगंज और उसके आस-पास के क्षेत्रों में मनाया गया भाई दूज न केवल रिश्तों की गहराई को दर्शाता है, बल्कि यह भारतीय संस्कृति की उस जीवंत परंपरा को भी पुनर्जीवित करता है।

गोवर्धन पूजा हमारी संस्कृति का आधार, गोवंश संरक्षण से ही सशक्त होगा ग्रामीण भारत : स्वास्थ मंत्री

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जिले के खड़गवां विकासखंड के ग्राम धनपुर स्थित श्रीहरि गौशाला में पारंपरिक आस्था और ग्रामीण उत्सव का प्रतीक गोवर्धन पूजा एवं अन्नकूट कार्यक्रम अत्यंत हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उनके साथ ग्राम जनप्रतिनिधि, स्थानीय जनपद सदस्य तथा बड़ी संख्या में ग्रामीणजन सम्मिलित हुए। कार्यक्रम के दौरान निःशुल्क पशु चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें पशुपालकों के गाय, बैल, भैंस, बकरी आदि पशुओं की स्वास्थ्य जांच, टीकाकरण तथा रोग निवारण संबंधी दवाओं का वितरण किया गया। पशु चिकित्सा विभाग के विशेषज्ञ डॉक्टरों ने पशुओं के रखरखाव, पोषण, दुग्ध उत्पादन वृद्धि तथा मौसमी बीमारियों से बचाव के उपायों पर विस्तार पूर्वक जानकारी दी।

इस अवसर पर स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा कि गोवर्धन पूजा केवल एक धार्मिक परंपरा नहीं, बल्कि यह प्रकृति, गोवंश और मानव जीवन के गहरे संबंध का प्रतीक है। हमारी संस्कृति में गौ माता का स्थान सर्वोच्च है, और गोवंश संरक्षण से ही ग्रामीण अर्थव्यवस्था मजबूत होगी। सरकार किसानों व पशुपालकों के कल्याण हेतु अनेक योजनाएं चला रही है, जिसका लाभ हर घर तक पहुंचना चाहिए।

स्वच्छ संकल्प अभियान के तहत जिले में 196 शौचालयों की स्वीकृति

सूरजपुर, एजेंसी। जिले के कलेक्टर एस. जयवर्धन के निर्देशन एवं सीईओ जिला पंचायत विजेंद्र पाटले के मार्गदर्शन में जिले में स्वच्छ संकल्प अभियान के तहत शौचालय विहीन परिवारों को नवीन व्यक्तिगत शौचालय स्वीकृत किए जा रहे हैं। यह अभियान 15 अक्टूबर से 19 नवम्बर तक संचालित किया जा रहा है। जिले के सभी जनपदों में इस अभियान के तहत पात्र परिवारों की पहचान कर उन्हें शौचालय निर्माण की स्वीकृति प्रदान की जा रही है। अब तक रामानुजनगर में 105, भैयाथान में 45, सूरजपुर में 31 तथा ओड़गी में 15 परिवारों को व्यक्तिगत शौचालय की स्वीकृति दी गई है। इस प्रकार जिले में कुल 196 शौचालय विहीन परिवारों को लाभान्वित किया गया है।

प्रशासन द्वारा लाभार्थियों को निर्धारित एक माह की अवधि के भीतर शौचालय निर्माण पूर्ण करने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। इस अभियान का उद्देश्य जिले को पूर्ण स्वच्छता की दिशा में अग्रसर करना और खुले में शौच मुक्त वातावरण सुनिश्चित करना है।

लैब टेक्नीशियन पदों की लिखित परीक्षा अपरिहार्य कारणों से स्थगित

सूरजपुर, एजेंसी। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के अंतर्गत कुल 28 प्रकार के पदों के लिए 96 रिक्त पदों पर नियुक्ति हेतु जारी मेरिट सूची के आधार पर अभ्यर्थियों के लिए लिखित एवं कौशल परीक्षा आयोजित किया जाना था।

यह परीक्षा लैब टेक्नीशियन (एनएचएम), लैब टेक्नीशियन (डीपीएचएल, आईडीएसपी) एवं लैब टेक्नीशियन (एनएचएम, बीपीएचयू) पदों के लिए 29, 30 एवं 31 अक्टूबर 2025 को लाइवलीहुड कॉलेज सूरजपुर में आयोजित की जानी थी। अपरिहार्य कारणों से यह परीक्षा फिलहाल स्थगित कर दी गई है।

ग्राम माड़ीसरई में रजत जयंती महोत्सव की गूंज, विभागीय योजनाओं से रोशन हुआ ग्रामीण विकास का मार्ग

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जिले के भरतपुर जनपद अंतर्गत ग्राम पंचायत माड़ीसरई में रजत जयंती महोत्सव का आयोजन अत्यंत हर्षोल्लास और ग्रामीण उत्साह के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य कृषकों को विभिन्न विभागों की योजनाओं की जानकारी देना और उन्हें आत्मनिर्भरता की दिशा में प्रोत्साहित करना था। आयोजन स्थल पर सुबह से ही ग्रामीणों, कृषकों, महिला स्व-सहायता समूहों और युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका रही । कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा पारंपरिक दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना के साथ किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रही जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती यशवंती सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि ग्रामीण विकास का आधार मजबूत किसान हैं, और आज राज्य एवं केंद्र सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाएं कृषकों के आर्थिक उत्थान की दिशा में मील का पत्थर सिद्ध हो रही हैं। उन्होंने ग्रामीण महिलाओं को भी कृषि, पशुपालन और उद्यानिकी क्षेत्र में आगे आने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में जिला पंचायत कृषि स्थायी समिति सभापति श्रीमति सुखमंती सिंह ने कहा कि सरकार का उद्देश्य हर किसान तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना है और इसके लिए विभागों द्वारा निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। जनपद पंचायत अध्यक्ष मायाप्रताप सिंह ने ग्रामीण युवाओं को कृषि आधारित स्वरोजगार अपनाने का आह्वान करते हुए कहा कि आज का किसान सिर्फ खेतों तक सीमित नहीं, बल्कि विज्ञान, तकनीक और नवाचार से जुड़कर आत्मनिर्भर भारत का मजबूत स्तंभ बन सकता है। कार्यक्रम में नरेश यादव, मंडल अध्यक्ष भरतपुर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की नेतृत्व में आज छत्तीसगढ़ कृषि क्षेत्र में नई ऊँचाइयाँ छू रहा है। इसी क्रम में उद्यान विभाग, मत्स्य पालन विभाग, पशुधन विकास विभाग और कृषि विभाग द्वारा कृषकों को योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई। विभागीय अधिकारियों ने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, राष्ट्रीय कृषि विकास योजना, मत्स्य पालन सब्सिडी योजना, मुख्यमंत्री गौठान न्याय योजना, उद्यानिकी मिशन, पशुधन संवर्धन योजना, जैविक खेती अभियान सहित कई योजनाओं के लाभ और आवेदन प्रक्रिया की जानकारी साझा की। कार्यक्रम में श्रीमति अनिता चौधरी जिला पंचायत सदस्य, जनपद सदस्य भारती वेनवंश, जनपद सदस्य राजकली, कैलाश सिंह कृषि स्थायी समिति सभापति जनपद पंचायत भरतपुर, जनपद सदस्य सुखलाल मरावी, सरपंच ग्राम पंचायत माड़ीसरई, सरपंच ग्राम पंचायत हरचौका, सरपंच ग्राम पंचायत बड़वाही सहित क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। आयोजन की अध्यक्षता वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी रमाशंकर मिश्रा ने की। इस दौरान समस्त कृषि विकास अधिकारी एवं ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी उपस्थित रहे जिन्होंने कृषकों के सवालों का समाधान किया और योजनाओं के व्यवहारिक क्रियान्वयन पर चर्चा की। कार्यक्रम में विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों में कृषकों को तकनीकी जानकारी, मिट्टी परीक्षण, बीज वितरण, पशु चिकित्सा सलाह एवं उद्यानिकी प्रशिक्षण भी दिया गया। विशेष रूप से महिला कृषक समूहों ने जैविक खाद निर्माण, सब्जी उत्पादन, और पोल्ट्री फार्मिंग के क्षेत्र में अपने अनुभव साझा किए। रजत जयंती महोत्सव के इस आयोजन ने ग्राम माड़ीसरई को विकास, एकता और जनसहभागिता का संदेश दिया।

155 जुआरियों के खिलाफ जुए के 47 मामले में नगद दो लाख 23 हजार 990 रूपये जब्त

जगदलपुर, एजेंसी । बस्तर पुलिस ने दीपावली त्योहार के दौरान जुए के गढ़ कहे जाने वाले कई ठिकानों पर ताबड़तोड़ छापेमारी कर 47 मामले दर्ज करते हुए 155 जुआरियों के खिलाफ कार्रवाई की गई है। आज गुरुवार को एएसपी महेश्वर नाग ने मीडिया को बताया कि पुलिस अधीक्षक शलभ सिन्हा के निर्देश पर जुए के खिलाफ यह विशेष मिशन-मोड अभियान 15 अक्टूबर से 21 अक्टूबर के बीच चलाया गया था। जारी आंकड़ों के अनुसार, बस्तर पुलिस ने इस अभियान में कुल 2,23,990 (दो लाख तेईस हजार नौ सौ नब्बे रुपये) की नकद राशि जब्त की गई है। सबसे चौंकाने वाली कार्रवाई बोधघाट थाना क्षेत्र में हुई, जिसने अकेले ही 1.17 लाख की रिकॉर्ड जप्ती की गई है। एएसपी महेश्वर नाग ने बताया कि बस्तर पुलिस ऐसे अवैध कार्यों में लिप्त किसी भी व्यक्ति को नहीं बख्शेगी। यह कार्रवाई जन-शांति और अपराध-मुक्त समाज के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाती है। उन्होने साफ किया कि दीपावली के दौरान शांति और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए जुए और सट्टे पर प्रभावी नियंत्रण करना ज़रूरी था।

जशपुर में स्टंट करते बाइक सवार स्कॉर्पियो से टकरा :दो युवक गंभीर घायल, परिजनों ने अस्पताल प्रबंधन पर लापरवाही का आरोप लगाया

जशपुर, एजेंसी। जशपुर में बुधवार शाम एक सड़क हादसे में दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र के गम्हरिया चौराहे से पहले जशपुर गेट के पास तेज रफ्तार स्पोर्ट्स बाइक स्कॉर्पियो से टकरा गई। घायलों में से एक को अंबिकापुर रेफर किया गया है। परिजनों जिला अस्पताल प्रबंधन पर लापरवाही का आरोप लगाया है। जानकारी के अनुसार, दोनों युवक तेज रफ्तार में स्टंट करते हुए बाइक चला रहे थे। इसी दौरान सामने से आ रही स्कॉर्पियो से उनकी सीधी भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बाइक बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और दोनों युवक दूर जा गिरे। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि युवक गम्हरिया चौक के आसपास कई बार रफ्तार में बाइक दौड़ाते देखे गए थे। गम्हरिया गेट की ढलान पर उनका संतुलन बिगड़ा और सामने से आ रही स्कॉर्पियो से उनकी बाइक जा टकराई। टक्कर से उन्हें सिर और पैरों में गंभीर चोटें आई हैं।

अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज और जिला अस्पताल में इलाज जारी: घायलों की पहचान दरबारी टोली निवासी बियश राम (19) और सूरज सिंह (21) के रूप में हुई है। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी। सिटी कोतवाली और यातायात पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को जिला अस्पताल भेजा। सूरज सिंह को पैर में गंभीर फैक्चर के कारण अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है, जबकि बियश राम का इलाज जिला अस्पताल में चल रहा है। घायलों के परिजनों ने जिला चिकित्सालय में अव्यवस्था का आरोप लगाया है।

वार्ड बॉय मौजूद नहीं था-परिजन: उनका कहना है कि जब घायल अस्पताल पहुंचे, तो वहां कोई वार्ड बॉय मौजूद नहीं था। इससे उन्हें घायलों को स्ट्रेचर पर वार्ड तक ले जाने में काफी परेशानी हुई। परिजनों ने इस लापरवाही पर नाराजगी व्यक्त करते हुए प्रशासन के प्रति असंतोष जताया है।

सभी ड्यूटी पर तैनात थे: इस मामले में जिला अस्पताल के सिविल सर्जन विपिन इंदवार ने बताया कि दिवाली के दूसरे दिन कुछ कर्मचारी इधर-उधर हो सकते हैं, लेकिन सभी ड्यूटी पर तैनात थे और उन्हें बुलाया गया था। उन्होंने यह भी कहा कि दोनों लड़कों का इलाज जारी है।

बाइक और स्कॉर्पियो जब्त: सिटी कोतवाली पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त बाइक और स्कॉर्पियो दोनों वाहनों को जब्त कर लिया है। प्रारंभिक जांच में यह सामने आया है कि हादसे का मुख्य कारण तेज रफ्तार और लापरवाही से की गई स्टंटबाजी थी।

महिलाओं को आजीविका आधारित गतिविधि की जानकारी दी

जशपुरनगर, एजेंसी। जिले में महिला सशक्तिकरण और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक आयोजन किया गया। यह आयोजन रजत जयंती के अवसर पर विगत दिवस हुआ। इसमें स्व सहायता समूह से जुड़ी ग्रामीण महिलाओं के लिए आजीविका आधारित गतिविधियों पर विस्तृत जानकारी सत्र का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम क्लस्टर संगठन एवं ग्राम संगठन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया था। इसमें पीड़ी गांव, घोलेंगे, लोदाम, बोकी एवं जशपुर क्लस्टर की बड़ी संख्या में महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम में जिला प्रशासन द्वारा महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में किए जा रहे ठोस प्रयासों की विस्तृत जानकारी साझा की गई। अधिकारियों ने बताया कि प्रशासन विभिन्न योजनाओं एवं कार्यक्रमों के माध्यम से महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए लगातार कार्य कर रहा है। इसके तहत महिलाओं को स्वरोजगार, उद्यमिता और समूह-आधारित आर्थिक गतिविधियों से जोड़ा जा रहा है।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक / प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा विप्र एक्सप्रे प्रेस सीपत रोड सरकंडा बिलासपुर छत्तीसगढ़ से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय वार्ड 14 हल्दीबाड़ी एमसीबी छत्तीसगढ़ से प्रकाशित,संपादक संदीप द्विवेदी
आर .एन .आई नं . सी टी एच आई एन /25/ए 1478 फोन नं .7974467831,9589645803, mediaauditor1@gmail .com पीआइबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार , सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा